उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-9 अंक-34)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 23 सितंबर , 2024

व्यूटी ज़्वीन दिखने के लिए करें फेशियल

ग्रीनपार्क स्टेडियम बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में फूंका पुतला 6

बिगड़ती कानून व्यवस्था व महिला उत्पीड़न के विरोध में प्रदर्शन 8

ट्रैक पर मिला गैस सिलेंडर, एक बार फिर ट्रेन उड़ाने की साजिश हुई नाकाम

सुबह 5.55 की घटना, मौके पर एलआईयू और रेलवे की टीम मौजूद

कानपुर, 22 सितम्बर (निस)। सेंट्रल स्टेशन से तीस किमी दूर प्रेमपुर स्टेशन के पास ट्रैक पर पांच किलो का खाली सिलेंडर मिला। एक के बाद एक ट्रेनों को पलटाने की साजिश के मामले सामने आ रहे हैं। दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग पर कानपुर के महाराजपुर के प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर छोटा गैस सिलेंडर रखकर ट्रेन पलटाने की घटना सामने आई है। हालांकि ट्रेन के लोको पायलट ने ट्रैक के बीच में सिलेंडर रखा देखकर ट्रेन रोक दी, जिससे कोई हादसा नहीं हुआ। लूप लाइन से कानपुर से प्रयागराज की तरफ मालगाड़ी जा रही थी। पुलिस और रेल अधिकारी मौके पर हैं। जांच की जा रही है।

रविवार को सुबह 5.55 बजे कानपुर से प्रयागराज जा रही मालगाड़ी के लोको पायलट और सहायक लोको पायलट को लूप लाइन में कानपुर सेंट्रल और फतेहपुर स्टेशनों के बीच प्रेमपुर के पास छोटा (5 किलो) खाली गैस का सिलेंडर रखा दिखा।

लोको पायलट ने सतर्कता दिखाई और सिलेंडर को देखते ही ट्रेन का इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। इससे सिलेंडर से काफी पहले ही ट्रेन रुक गई। लोको पायलट ने एक मिनट बाद ही कंट्रोल रूम को घटना की सूचना दे दी। इसके बाद मौके पर आरपीएफ और जीआरपी की टीम पहुंची। डॉग स्क्वायड भी बुलाया गया। सिलेंडर से लेकर आसपास के इलाके में डॉग स्क्वायड के साथ जांच की गई। रेलवे ने घटना को गंभीरता से लेते हुए उच्चस्तरीय जांच के निर्देश जारी किए हैं।

स्थानीय पुलिस, आरपीएफ, जीआरपी ने स्टेशन और आसपास के क्षेत्र की कांबिंग की। गांवों के लोगों से पूछताछ की। घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। मौके पर आलाअधिकारी मौजूद रहे। सिलेंडर और अन्य साक्ष्यों को लेकर टीम चली गई है।

अब जम्मू मेल बाल-बाल बची, निकल गया था शॉकर का नट-बोल्ट

कानपुर। रविवार सुबह प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर सिलेंडर रखकर ट्रेन को पलटने की साजिश की गई है। इस घटना की पुलिस, जीआरपी व आरपीएफ के द्वारा जांच चल ही रही थी कि इस बीच दिल्ली-हावड़ा रूट पर जम्मू मेल दुर्घटनाग्रस्त होते-होते बची है। मौके पर पहुंचे रेलवे के इंजीनियर ने जांच की। इसके बाद मरम्मत का काम शुरू हुआ और लगभग आधे घंटे बाद ट्रेन को रवाना किया गया। इस दौरान वंदे भारत समेत कई ट्रेनों को रोका गया।

जनता की अदालत में मोदी पर बरसे केजरीवाल बताया पीएम ने उन्हें और आप नेताओं को क्यों जेल में डाला

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी ने रविवार को जनता की अदालत का आयोजन किया। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से काम करने की वजह से पीएम मोदी ने उन्हें जेल में भिजवाया। केजरीवाल ने कहा कि पिछले दस साल से वह ईमानदारी से सरकार चला रहे थे, उन्होंने बिजली और पानी मुफ्त किया, लोगों के लिए इलाज मुफ्त किया, शिक्षा को उत्कृष्ट बनाया। पीएम को उनकी ईमानदारी देखकर लगने लगा कि इनसे जीतने के लिए इनकी ईमानदारी पर हमला करना होगा, इसलिए उन्होंने आप को बेईमान साबित करने के लिए उनके एक-एक नेता को जेल में डाल दिया।पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने आगे कहा, मोदी जी ने हमारे ऊपर देश का सबसे कठोर कानून लगाया, कानून, इसमें बेल भी नहीं मिलती लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हम सभी को बेल दे दी। मैं इस दाग के साथ नहीं जी सकतकाम करना तो दूर की बात, मैं इस दाग के साथ जी भी नहीं सकता। उन्होंने आग कहा, इसलिए मैंने सोचा कि मैं जनता की अदालत में जाऊंगा। अगर मैं बेईमान होता तो मुफ्त बिजली के लिए दिए गए तीन हजार करोड़ रुपए गबन कर लेता, महिलाओं के लिए किराया मुफ्त नहीं करता, बच्चों के लिए स्कूल नहीं बनवाता, 22 राज्यों में उनकी सरकार है, कहीं भी बिजली मुफ्त नहीं है, कहीं भी महिलाओं के लिए किराया मुफ्त नहीं है, फिर चोर कौन है? मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि केजरीवाल चोर है या केजरीवाल को जेल भेजने वाले चोर हैं?

जगन मोहन रेड्डी ने पीएम मोदी से नायडू को फटकार लगाने की मांग की

नई दिल्ली। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने तिरुपति लड्डू में मिलावट के मुद्दे पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा। अपने इस पत्र में रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को %आदतन झूठ बोलने वाला% बताया है। इसी के साथ रेड्डी ने पीएम मोदी से आग्रह किया है कि वह मुख्यमंत्री को फटकार लगाएं क्योंकि उन्होंने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाने का काम किया है।

जगन मोहन रेड्डी ने लिखा, चंद्रबाबू नायडू एक रोगग्रस्त और आदतन झूठ बोलने वाले व्यक्ति हैं, जो इस हद तक गिर गए हैं कि उन्होंने विशुद्ध रूप से राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाई है। महोदय, इस समय पूरा देश आपकी ओर देख रहा है। यह जरूरी है कि श्री नायडू को झूठ फैलाने के उनके बेशर्म कृत्य के लिए कड़ी फटकार लगाई जाए और सच्चाई को सामने लाया जाए। इससे श्री नायडू द्वारा करोड़ों हिंदू भक्तों के मन में पैदा किए गए संदेह दूर होंगे और टीटीडी की पवित्रता में विश्वास बहाल होगा।

घटनाक्रम की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि कथित रूप से मिलावटी घी को अस्वीकार कर दिया गया था और उसे टीटीडी के परिसर में प्रवेश

करने की अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, नायडू ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से 18 सितंबर को एक राजनीतिक पार्टी की बैठक में इस मुद्दे को उठाया।

काशी और अयोध्या के बाद चित्रकूट होगा पर्यटकों के लिए सबसे पसंदीदा स्थल, योगी सरकार ने शुरू की तैयारी

लखनऊ। वाराणसी और अयोध्या के बाद अब उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रमुख धार्मिक स्थल चित्रकूट में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार करेगी। मुख्यमंत्री योगी के निर्देशों के मुताबिक चित्रकूट मंडल के आध्यात्मिक व पर्यटक स्थलों के विकास पर ध्यान दिया जाएगा। चित्रकूट मंडल के जिलों में भी पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख विकास व निर्माण कार्यों को गति देने की रूपरेखा तय कर ली गई है। परियोजना के तहत चित्रकूट के प्रसिद्ध रामघाट के सौंदर्यीकरण, विकास व चौड़ीकरण की प्रक्रिया को 18.30 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किए जाने की तैयारी शुरू हो गई है। वहीं, चित्रकूट के लालापुर व बांदा में कलिंजर फोर्ट के करीब पर्यटक सुविधा केंद्र, महोबा में सालट फोर्ट के करीब पार्किंग व पर्यटक सुविधाएं बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा। इसके अलावा चित्रकूट के चर स्थित सोमनाथ मंदिर व हमीरपुर के पातालेश्वर मंदिर में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने तथा चित्रकूट में वाल्मीकि आश्रम के करीब म्यूजियम के निर्माण कार्य को भी जल्द पूरा किए जाने पर फोकस किया जा रहा है। इन सभी निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड को सौंपी गई है।

इस स्थल पर गोस्वामी तुलसीदास जी को श्रीराम के दर्शन हुए थे। ऐसे में, इस स्थल की आध्यात्मिक व ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित करते हुए उसे आधुनिक सविक सुविधाओं से युक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परियोजना के अंतर्गत रामघाट पर 18.30 करोड़ रुपए की लागत से सौंदर्यीकरण, चौड़ीकरण संपर्क मार्ग के सुधार व विस्तारीकरण व पर्यटक सुविधाओं के निर्माण व विकास प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। इस काम को वर्षा अवधि के अतिरिक्त 2 वर्षों की समयावधि में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चित्रकूट के लालापुर व बांदा में कलिंजर फोर्ट के समीप टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर तथा महोबा में सालट फोर्ट के करीब पार्किंग व पर्यटन सुविधाएं बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा।

मध्य दिल्ली में फर्नीचर बाजार में लगी आग, 44 मजदूरों को बचाया

नई दिल्ली। दिल्ली में नबी करीम के एक फर्नीचर बाजार में शनिवार तड़के आग लग गयी लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से 44 मजदूरों को आग फैलने से पहले बचा लिया गया एवं एक बड़ा हादसा टल गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि तड़के तीन बजकर 20 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह भी बताया गया कि भवन के भूतल से धुंआ उठ रहा है जहां फर्नीचर गोदाम था।

उन्होंने बताया कि मजदूर भवन के अंदर सो रहे थे। पता चला कि ऊपरी मंजिल पर जाने के लिए एक प्रवेश द्वार था, लेकिन शटर बंद था। पुलिस उपायुक्त (मध्य) एम हर्षवर्धन ने कहा, ''स्थानीय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शटर तोड़ दिया, गेट खोला और दूसरी और तीसरी मंजिल पर पहुंची, जहां मजदूर सो रहे थे।''

उन्होंने कहा कि आग के पूरी इमारत में फैलने और से पहले ही लगभग 44 मजदूरों को बचा लिया गया और दमकल गाड़ियां पहुंच गईं। दिल्ली दमकल सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि कम से कम सात दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने में चार घंटे लगे।अधिकारी ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन फर्नीचर और लकड़ी के अन्य सामान आग में जलकर खाक हो गए। उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जांच चल रही है।

विज्ञापन कार्यालय-130/
4 - बाबू पुरवा कॉलोनी,
किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता
(विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

NEW SAHU FAMILY RESTAURANT
638y-1, Block Kidwai Nagar
Near -Dasu Kunwa Chauraha Noubasta Kanpur
Owner Management
Suresh Sahu
M.-8303637506, 9792526852
Web .site—www.sahufamilyrestaurant.com

Jai Ambey Traders
CARE-TEX
OUR MISSION IS PATIENT CARE
ORDER ONLINE ON amazon
ABDOMINAL BELT
WARM BAG
COMPRESSOR NEBULIZER
ARM SLING POUCH
WRIST BAND
THERMOMETER
WRIST BINDER
STETHOSCOPE
SOFT CERVICAL COLLAR
KNEE CAP
ELBOW SUPPORT
ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com
7705800400, 9415728160,
9936442547 | 0512-23567401
Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

संपादकीय

योग निदा पर वैज्ञानिक मुहर

हमारी हजारों साल के योग की विरासत की सार्थकता निर्विवाद है। लेकिन प्रगतिशील कहे जाने वाले एक तबके का तर्क होता है कि योग को विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए। हालांकि, अमेरिका,यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हालांकि, आज सारी दुनिया में योग बाजार सजाकर अरबों का कारोबार किया जा रहा है, लेकिन भारत में योग के प्रति वैसी दीवानगी नजर नहीं आती। निस्संदेह, मोदी सरकार को देश-विदेश में योग को प्रतिष्ठित करने तथा एलोपैथी व अन्य चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है। दरअसल, योग निद्रा सोने और जागने के बीच एक सचेतन अवस्था है।जिसका उपयोग योगी ध्यान साधना के लिये करते रहे हैं। योग निद्रा की मानसिक सेहत के लिये उपयोगिता निर्विवाद रही है। अब आईआईटी व एम्स दिल्ली के शोध में भी यह बात स्वीकारी गई कि इससे आराम के गहरे अहसास होते हैं। वहीं दूसरी ओर नियमित योग व ध्यान करने वाले प्रतिभागियों की नींद को नियंत्रित करने की क्षमता सामान्य प्रतिभागियों से अधिक पायी गई।इस वैज्ञानिक शोध में कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए। निस्संदेह, जिन लोगों को कई तरह के मनोकायिक रोग होते हैं, उनके लिये योग निद्रा रामबाण सिद्ध हो सकती है। यही वजह है कि अमेरिका व आस्ट्रेलिया आदि देशों में व्यावसायिक तनाव कम करने हेतु योग निद्रा पर जोर दिया जाता है। दिल्ली में हुए शोध में योग निद्रा से चेतना के उच्चतम स्तर को हासिल करने के तथ्य को भी स्वीकारा गया। शोधकर्ताओं ने माना कि योग निद्रा के जरिये गहरे अवचेतन मन में दबी कुंठाओं को मानसिक सतह पर लाकर, कालांतर उनसे मुक्ति में मदद मिलती है। जिससे व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है। आज के आपाधापी के जीवन में जब हर कोई ओवर थिंकिंग के मर्ज से जूझ रहा है योग निद्रा हमारे मन के भटकाव को रोकने में भी मददगार हो सकती है। शोध के दौरान बनाये गए दो समूहों में से नियमित योग करने वाले समूह के लोगों के मस्तिष्क के पैटर्न के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि योग निद्रा हमारे मस्तिष्क को कैसे नियंत्रित करती है। योगी बताते हैं कि कुछ मिनटों की योग निद्रा कई घंटे की सामान्य नींद के मुकाबले ज्यादा विश्रांति देने वाली होती है। व्यक्ति धीरे-धीरे योग निद्रा की अवधि बढ़ाकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। वहीं यह हमारे ध्यान को गहरा बनाने में भी मददगार साबित हो सकती है। लेकिन अनुभवी योगी से सीखकर योगनिद्रा करने से अधिक बेहतर परिणाम पाये जा सकते हैं।

श्रीनगर व कश्मीर में मोदी दांव के निहितार्थ

यदि ऐसा है, तो यह पुराने युग से कितना अलग होगा ? इसलिए यह मोदी के अपने हित में- साथ ही भारत के राष्ट्रीय हित में भी -होगा कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने दिया जाए। सबसे अच्छी बात यह है कि इस पूर्व राज्य में आज हर कोई मानता है कि हालात ठीक हो सकते हैं, सुशासन संभव है, और सबसे बढ़िया यह है कि उग्रवाद पर काबू पाया जा सकता है। कल्पना कीजिए कि आगामी निर्वाचित सरकार के लिए मॉडल कैसा रहेगा। तीन चरणों में होने वाले मतदान का पहला पड़ाव हाल ही में पूरा हुआ है, दक्षिण कश्मीर, जोकि उग्रवाद के केंद्र बिंदुओं में एक रहा है- वहां 60 प्रतिशत मतदान होना एक आश्चर्यजनक संकेतक है। इसका मतलब है कि पत्थरबाजों को पत्थरों की बजाय वोटों की तरफ और वर्षों से दबे हुए आक्रोश को प्रेरित कर बृहद कल्याण की राह पर मोड़ा जा सकता है। कश्मीर में वर्षों तक व्याप्त रही अराजकता और दुख को कभी भुलाया नहीं जा सकता ?

श्रीनगर में आज वह शांति व्याप्त है, जो पिछले कई सालों में देखने को नहीं मिली थी। पार्क फुटबॉल खेलते बच्चों से भरे हुए हैं और अभिभावक आसपास बैठकर गपशप कर रहे हैं। लाल चौक काफी सुथरा है, एक विशाल होर्डिंग पर गर्भावस्था परीक्षण किट का विज्ञापन प्रदर्शित है। बंध रोड पर बने एक मॉल में 'स्टारबक्स' रेस्तरां भी खुल गया है, जिसकी निगहबानी सामने लगी चिनार के पेड़ों की ऊंची कतार करती प्रतीत होती है। ऑटो और उबर वाले (जो अभी शाम को पंथा चौक की सवारी नहीं चाहते) और दुकानदार कश्मीर घाटी में भारतीय पर्यटकों की वापसी से खुश हैं। स्कूल भरे हुए हैं और साल भर खुले रहते हैं - प्रेजेंटेशन कॉन्वेंट के बाहर एक इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड पर सूक्ति लिखी है, जिसका भावार्थ है: 'एक अच्छा छात्र वही, जो ज्ञान के कुएं में डुबकी लगाकर घूंट भरे'। तथापि, एक गहरी सांस लें और झेलम नदी के तट पर खड़े होकर तनिक सोचें - क्या यह शांति तूफान से पहले की है ? तब क्या होगा यदि लोगों को पता चले कि 1 अक्तूबर को विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद, जम्मू-कश्मीर का निज़ाम भी 'दिल्ली के आधी-अधूरी शक्तियों वाले मॉडल' की तर्ज पर बना दिया गया ? पिछले सप्ताह के शुरू में, एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किए वादे के बावजूद, पूर्ण राज्य का दर्जा लौटना इतना आसान नहीं है, कम-से-कम फिलहाल तो नहीं। वह स्थिति, जब पीएम मोदी के चुने व्यक्ति यानि उपराज्यपाल के पास भूमि और कानून-व्यवस्था जैसे शक्तिशाली विभागों का प्रभार रहेगा,जबकि बाकी का काम एक निर्वाचित मुख्यमंत्री चलाए। कहीं ऐसा तो नहीं कि यह शांति तूफान गुज़रने के बाद की हो - क्या लोगों को अहसास हो चुका है कि अब पत्थरबाजी या विरोध प्रदर्शनों या उग्रवाद में शामिल होने का कोई औचित्य नहीं है ? निश्चित रूप से, देश में किसी भी अन्य कौम से ज़्यादा- मणिपुरियों के अतिरिक्त - कश्मीरी इस बात से अच्छी तरह वाकिफ़ हैं कि एक गलत कदम केंद्र को सख्त कार्रवाई करने के लिए उकसाएगा। साल 2019 की अगस्त की एक सुबह श्रीनगर के एक उपनगर सौरा में लोगों के विरोध प्रदर्शन को डराने के लिए की गई भारी गोलीबारी की धुंधलाती यादें इसकी याद दिलाती हैं।शायद, यह शांति तूफान के कारण है। यह स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री मोदी ने फिर से पासा फेंका है और अपने ताश के सबसे महत्वपूर्ण इक्कों को चल रहे हैं। मोदी जानते हैं कि दांव -विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय पटल पर- बहुत बड़ा है। वर्तमान अमेरिका यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात वैश्विक नेताओं से हो रही है, वे उनसे कश्मीर के बारे में भी बात करें, यह स्वाभाविक है। इसलिए मोदी को अन्य की अपेक्षा सबसे अधिक भान है कि मौजूदा चुनाव होने से तमाम फर्क पड़ेगा - या तो इससे उनकी विश्वसनीयता बढ़ेगी या उन पर शक और गहराएगा। वस्तु स्थिति यह है, जिस प्रकार हालिया लोकसभा चुनावों में उनका प्रभाव मद्धम पड़ा, उसके मद्देनज़र, यदि हरियाणा और महाराष्ट्र में भी धक्का लगा तो उनकी स्थिति और कमजोर पड़ेगी। लेकिन कश्मीर का मामला अलग है।यह चुनाव केवल इसको लेकर नहीं है कि जीत किसकी होगी - हालांकि,यदि भाजपा किन्हीं पैंतरों से किसी तरह सरकार बनाने में कामयाब हो जाती है, तो यह उपलब्धि न केवल टोपी में नया फुंदना होगी बल्कि न थमने वाले उन्मादी प्रचार की वजह भी- जिसको पिछले पांच सालों की 'कारगुजारी' पर आया जनता का फैसला ठहराया जाएगा। इस तथ्य के अलावा कि कुछ सार्वजनिक परियोजनाओं के ठेके पूर्वी उत्तर प्रदेश के ठेकेदारों को मिले हैं -जो कि लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा का गृह क्षेत्र है - हकीकत यह है कि गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कुछ सबसे काबिल अधिकारियों और सैनिकों ने मिलकर बढ़िया परिणाम कर दिखाया है, जो आतंकवाद में आई कमी में स्पष्ट दिखाई देता है।इसीलिए यह चुनाव अलग है। यह निश्चित रूप से आतंकवादियों की नई भर्ती में कमी आने के बारे में है - जिनकी संख्या अब कश्मीर घाटी में 75 तो इतनी ही जम्मू क्षेत्र में बताई जाती है - किंतु यकीकन यह गिनती केवल इतनी नहीं हो सकती। इन गर्मियों में, भारतीय सेना ने न केवल जवानों को खोया, बल्कि असामान्य संख्या में अधिकारियों को भी, जिन पर घात लगाकर हमला करने वालों में अधिकांशत: उच्च प्रशिक्षित एवं उकसाए गये आतंकवादी थे, जो अमेरिका निर्मित घातक एम-4 असॉल्ट राइफल जैसे घातक हथियारों से लैस थे - संभवत: अफगान युद्ध से चुराए गए - वे अंतर्राष्ट्रीय सीमा के नीचे से सुरंग खोदकर जम्मू में दाखिल हुए और भारतीय सैनिकों को अचानक आ घेरा। तथापि, भारतीय सेना को यह श्रेय है कि उसने नियंत्रण रेखा - जहां पर पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम समझौता कायम है - और साथ ही जम्मू क्षेत्र में फिर से खुद को संगठित किया है। लगता है कमोबेश अपनी बढ़त वापस पा ली है। यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में लिए गए अब तक के सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसलों में एक रेखा खींचेगा। जब अगस्त की एक सुबह अनुच्छेद 370 को एक आदेश के ज़रिये हटा दिया गया और राज्य के चारों ओर सुरक्षा आवरण बुन दिया गया। प्रतिरोध की आवाजें, मसलन मीडिया, को अलग-थलग कर दिया और घाटी पहुंचने वाली उड़ानों में पत्रकारों-फ़ोटोग्राफ़रों और कार्यकर्ताओं के नाम 'नो-फ़्लाई' सूची में डाल दिए गए और स्थानीय अख़बारों की हैसियत महज़ मुखपत्रों से ज़्यादा कुछ नहीं छोड़ी। राजनेताओं को या तो घरों में नज़रबंद कर दिया या जेल में डाल दिया गया। उनमें से कुछ, जैसे कि बारामुला से वर्तमान सांसद इंजीनियर राशिद, जिन्हें यूएपीए आतंकी अधिनियम के तहत गिरफ़्तार किया गया था, इस चुनाव में फिर से प्रचार कर रहे हैं, जिससे कई लोग सवाल करने लगे हैं कि वे और प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी के अन्य उम्मीदवार, जो बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं, क्या वास्तव में भाजपा के छद्म उम्मीदवार हैं।पांच साल हो गए, जो सबसे बड़ा सवाल कायम है, वह यह कि जो भी हुआ क्या इसकी जरूरत थी। क्या आप लोकतंत्र का पैमाना साफ-सुथरी सड़कें, बच्चों से भरे पार्क, स्कूल जाते छात्र और गड्ढों से मुक्त राजमार्गों को बनाएंगे, इस तथ्य के बावजूद और जितना हमने जाना है, कि इन पांच सालों में लोकतंत्र पटरी से उतरा रहा। आमतौर पर नौकरशाही, चाहे कितनी भी सक्षम क्यों न हो, उन राजनेताओं की जगह नहीं ले सकती, जिनका काम लोगों को और उनकी शिकायतों को सुनना है। सवाल यह है कि क्या यह चुनाव एक नए युग का सूत्रपात करेगा,

प्याज का निर्यात शुल्क पिछड़ा-जनता का किचन बजट बिगड़ा!

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत को सबसे बड़ा कृषक देश माना जाता है, क्योंकि यहां की अधिकतम आबादी ग्रामीण क्षेत्र से व कृषि व्यवसाय से जुड़ी है।यह दुनियां का दस्तूर है कि दुनियां का हर देश का शासन प्रशासन अपने नागरिकों के सबसे बड़े वर्ग को नाराज करना नहीं चाहेगा क्योंकि उन्हें फिर सत्ता में आना है।ठीक उसी तरह भारत में भी एक सबसे बड़ा वर्ग किसान व उपभोक्ता है इसे भी नाराज नहीं किया जा सकता इसलिए ही हम अनेक देशों में भी देखते हैं की एमआरपी केचक्कर में किसान व महंगाई के चक्कर में उपभोक्ता अनेकों आंदोलन करते रहते हैं जो हम वर्तमान में भी कई देशों में देख सकते हैं, इसलिए सरकार दूरदर्शिता को देखते हुए उपभोक्ताओं और किसानों दोनों को हितों को संतुलित करने का प्रयास करते रहती हैं।आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम जानते हैं खासकर तेल परआयात शुल्क अति काम था तो प्याज पर निर्यात शुल्क 40 प्रतिशत था जिसपर किसान सहज महसूस कर रहे थे, परंतु दिनांक 14 सितंबर 2024 से भारत सरकार ने ईडेबल ऑयल पर 20 प्रतिशत आयात शुल्क बढ़ाया तो 13 सितंबर 2024 को प्याज पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क घटा दिया। यानें दोनों तरफ से उपभोक्ता हलकान हो गए,जो रेखांकित करने वाली बात है, जिसपर दोनों के रेट एकदम बढ़ गए। मैं खुद अपनी छोटी सी राइस सिटी गोंदिया में इस बात की तस्दीग करने मार्केट पहुंचा तो मुझे इसका सटीक प्रमाण मिल गया, प्याज 60 से 80 रुपए तथा फॉर्चून सनफ्लावर 15 लीटर वाला डब्बा जो मैंने 12 सितंबर 2024 को 1680 रुपए में प्रति लीटर खरीदा था, वह दिनांक 19 सितंबर 2024 को 2180 रुपए बताया गया। 15 रूपए वाली प्याज 70 रुपए यानी किचन का ज़ायका पूरी तरह से बिगड़ने की कगार पर आ गया है इधर दिनांक 18 सितंबर 2024 को उपभोक्ता मंत्रालय द्वारा बयान दिया गया कि ट्रेडरों को कीमत नहीं बढ़ाने की सख्त हिदायत दी गई है, परंतु मैं तो प्रत्यक्ष रूप से ग्राउंड रिपोर्टिंग कर भाव बढ़ने की तसदीग कर ली है दूसरी ओर दिनांक 18 सितंबर 2024 को जारी आंकड़ों के अनुसार रोजाना की जरूरत वाला सामान सस्ता होने से अगस्त महीने में थोक महंगाई घटकर 1.31 प्रतिशत पर आ गई है। ये इसके 4 महीने का निचला स्तर है। अप्रैल में ये 1.26 प्रतिशत पर थी। वहीं एक महीने पहले जुलाई में थोक महंगाई घटकर 2.04 प्रतिशत पर आ गई थी। इससे पहले 12 सितंबर को सरकार ने रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए गए थे। अगस्त महीने में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.65 प्रतिशत हो गई है। जुलाई महीने में ये 3.54 प्रतिशत पर थी। सब्जियों के महंगे होने से अगस्त महीने में रिटेल महंगाई बढ़ी है। चुंकि भारत सरकार ने तेलों काआयात शुल्क बढ़ाया,प्याज का आयात शुल्क घटाया,त्योहारों की सीजन में महंगाई को कृत्रिम रूप से बढ़ाया ? तथा क्या भारत सरकार उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हितों को संतुलित करने का प्रयास कर रही है ? बिगड़े किचन बजट को रेखांकित करना जरूरी है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत सरकार का उपभोक्ताओं को झटका तगड़ा, तेल का आयात शुल्क अगड़ा प्याज का निर्यात शुल्क पिछड़ा, जनता का किचन बजट बिगड़ !साथियों बात अगर हम केंद्र सरकारनें तेल पर 14 सितंबर 2024 से आयात शुल्क को बढ़ाने की करें तोकेंद्र सरकार ने कच्चे और रिफाइडं खाद्य तेलों पर लगने वाले आयात शुल्क में 20 प्रतिशत की वृद्धि की है। पाम ऑयल, सोया ऑयल और सूरजमुखी तेल पर सीमा शुल्क बढ़ा देने से सभी खाद्य तेलों के दामों बढ़ोतरी हो गई है। जिसका असर सीधे आम जनता पर पड़ गया है। जल्द ही त्योहारी सीजन शुरू होने वाला जिसमें लोगों को खाद्य तेल के बढ़े दाम लोगों को परेशान कर सकते हैं। इस फैसले से किसानों को राहत मिल सकती है और उनकी कमाई भी बढ़ सकती है,लेकिन दूसरी ओर आम जनता पर इसका बोझ बढ़ेगा। इससे पहले भी सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए सोयाबीन की खरीदारी समर्थन मूल्य पर खरीदने का निर्देश दिया था। अब 20 प्रतिशत तक आयात शुल्क बढ़ाने की कोई आवश्यकता यहां नजर नहीं आती है। इसके असर से खाद्य तेलों के भाव 15 से 22 प्रतिशत प्रति किलो तक बढ़ गए हैं।इस फैसले से छोटे किसान तो नहीं बल्कि स्टॉक करने वाले बड़े व्यापारियों को अधिक फायदा होसकता है। पिछले एक से दो हफ्ते पहले खाद्य तेलों के दामों 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि पहले ही देखी जा चुकी है। जिसमें रिफाइंड ऑयल के दाम 10 प्रतिशत और सरसों का तेल 12 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। इस साल देश भर में अच्छे मॉनसून की वजह से चार राज्यों महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और तेलगांना में सोयाबीन की अच्छी फसल होने की उम्मीद है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तरपर सोयाबीन के सबसे बड़े उत्पादक देश अर्जेंटीना और ब्राजील तथा अमेरिका में भी फसल अच्छी आने की संभावना है। रूस और यूक्रेन द्वारा सूरजमुखी के तेल बेचने की होड़ के चलते खाद्य तेलों के दाम नीचे आ गए थे। इस वजह से सोयाबीन के दाम भी समर्थन मूल्य के नीचे चले गए थे। महाराष्ट्र में वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव और अन्य राज्यों के किसान संगठनों द्वारा सरकार पर बनाए गए दबाव के कारण कुछ दिन पहले ही इन चार राज्यों में समर्थन मूल्य पर सोयाबीन खरदीने के आदेश सरकार ने जारी किय थे। गत दो महीनों से खाद्य तेलों का भारत का आयात कम रहा है। आगामी त्योहारों को देखते हुए मांग को पूरा करने के लिए भी व्यापारियों ने स्टॉक कर लिया है। वहीं दूसरी ओर सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदी गई सरसों की बिक्री का आदेश दिया गया, तब पता चला कि सरसों की गुणवत्ता एवं उपलब्धता दोनों की मात्रा में अंतर पाया गया। जिसकी वजह से खाद्य तेलों के दामों पिछले कुछ सप्ताह में 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं और अब 20 प्रतिशत की ड्यूटी की वृद्धि महंगाई को बढ़ाएगी।साथियों बात अगर हम तेल आयात पर सीमा शुल्क की वृद्धि को जानने की करें तो, सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि कच्चे पाम तेल, कच्चे सोया तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर 20 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क लगाया गया है।

किशन सनमुखदास भावनानी

हॉरर कॉमेडी चिंटू की दुल्हनिया ने ओपनिंग पर जमाई धाक, स्त्री 2 से होने लगी तुलना .!

मुंबई। भोजपुरी फिल्मों के युवा सुपरस्टार प्रदीप पाण्डेय चिंटू की फ़िल्म चिंटू की दुल्हनिया रिलीज हो गई है । रिलीज होते ही इस फ़िल्म ने तगड़ी ओपनिंग करते हुए शनदार कलेक्शन किया है । फ़िल्म में जबरदस्त हॉरर कॉमेडी देखने को मिल रही है। इस फ़िल्म में वो सबकुछ समाहित है जो कि एक बेहतरीन हॉरर कॉमेडी फिल्म में होनी चाहिए। दरअसल आजकल भारत मे हॉरर कॉमेडी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया है ओर ऐसे में एक बेहतरीन फ़िल्म से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन हो रहा है।

फ़िल्म की बेहतरीन ओपनिंग को लेकर अभिनेता प्रदीप पाण्डेय ने बात करते हुए बताया कि जब एक बेहतरीन फ़िल्म बनती है तो इससे सबको फायदा होता है, हमने एक खूबसूरत फ़िल्म दर्शकों के मिजाज को ध्यान में रखते हुए बनाई है जो उनकी अपेक्षाओँ पर खरी उतर रही है ऐसे में पूरी टीम का उत्साह चरम पर है ।लोग अभी तक सिर्फ हिंदी फिल्मों को ही बेहतरीन बताते थे जबकि हमारी फ़िल्म देखने के बाद ऐसे दर्शकों ने भी खूबसूरत प्रतिक्रियाओं से हमारा उत्साहवर्धन किया है । स्त्री 2 फ़िल्म से तुलना करने के बारे में बात करते हुए चिंटू ने कहा कि यह हमारे लिए गौरवशाली पल है कि हिंदी की एक सुपरहिट फिल्म से हमारी तुलना हो रही है । हम भविष्य में भी ऐसी बेहतरीन फिल्में बनाने पर जोर देंगे ।

जॉली हिट्स एंटरटेनमेंट प्रस्तुत भोजपुरी हॉरर कॉमेडी फ़िल्म चिंटू की दुल्हनिया के निर्माता हैं मुकेश जवाहिर चौहान, वहीं सह निर्माता हैं राम सिंह चौहान, भंवर सिंह, दिलीप कुमार पांडेय, शिवकुमार रमेश जायसवाल और शैलेन्द्र गुप्ता । इस फ़िल्म के मुख्य कलाकार हैं प्रदीप पाण्डेय चिंटू, यामिनी सिंह, शिल्पी राघवानी, देव सिंह, प्रमोद माउथो , राम सुजान सिंह, मनोज द्विवेदी, महेश आचार्या, पुष्पेंद्र कुमार, सोनिया मिश्रा, रश्मि शर्मा, नेहा सिंह, पूर्वी, राधे कुमार, कृष्णा कुमार सोनी, अमन चौहान, कृष कुमार, अंकित चौहान ।

सनातन धर्म बोर्ड बनाए जाने के लिए मजबूत आंदोलन की आवश्यकता

तिरुपतिमाला मन्दिर के प्रसाद को बीफ टेलो व फिश आयल द्वारा बनाए जाने की खबर ने विचलित कर दिया है। यह अपवित्र और घृणित कार्य है और अब ब्रह्मराष्ट्र एकम् के तरफ से हमारी मांग है कि यथाशीघ्र सरकार द्वारा ' सनातन धर्म बोर्ड ' का गठन किया जाए और उसे कानूनी अधिकार दिए जाए। धार्मिक स्थल और उसके आस पास का परिक्षेत्र सनातन बोर्ड के अधीन हो।तिरुपति बालाजी के प्रसाद वाले लड्डू में बीफ फैट और मछली का तेल का प्रयोग हुआ है अब ज़ब इस बात की पुष्टि हो चुकी है तो वहां के मुख्यमंत्री को नैतिक रूप से स्तीफा दें देना चाहिए। जगन रेड्डी के कार्यकाल के दौरान हुआ ये कांड निंदनीय है। ना जाने कितने भक्तों की आस्था से खिलवाड़ हुआ और ऐसे ही कहाँ कहाँ सनातन धर्म को भ्रष्ट करने का साजिश हुआ होगा। अजीब ही बात है- बहुसंख्यकों के देश के बहुसंख्यकों के टूटे मंदिर हैं, अवैध क़ब्ज़ा किए हुए स्थान हैं वो वापस तक नहीं ले पा रहे हैं। और अब प्रसाद भी ऐसी मिलावट लिए हुए। सब बड़े मंदिर तक राज्य सरकारों के क़ब्ज़े में हैं। सनातन धर्म बोर्ड गठित हो जिसमें सनातन को मानने वाले सभी पंथ सम्प्रदाय के प्रतिनिधि हों। जो सनातन नियमों व मन्दिरो की देखरेख करें और पवित्रता और सुचिता का खयाल रखें जिसका कुछ हद तक धर्म संसद सा प्रारूप हो। सनातन सम्प्रदाय विशेष से जुड़े प्रश्न पर वैदिक नियम व उस सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्यों से परामर्श कर निर्णय हो। सरकारी हस्तक्षेप सभी मन्दिर प्रशासन इस बोर्ड को सुपर्त होंबोर्ड खुद ही देखरेख करे व ट्रस्टी तय करे। पत्रकार और सनातनी पंकज सीबी मिश्रा ने कहा कि पवन कल्याण जी ने सही मांग उठाई है। सपोर्ट करना चाहिए। हिन्दुओ को अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए।

पंकज सीबी मिश्रा
राजनीतिक विशेषज्ञ-जौनपुर

तिरुपति मंदिर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जाँच ऊँचे स्तर पर होनी चाहिये। सूत्रों और सोशल मिडिया के अनुसार उन्होंने तिरुपति बालाजी के मंदिर में ईसाइयों को पुरोहित नियुक्त कर दिया था ऐसी भी खबरें आई थी। अब जब हिन्दू मंदिर में ईसाई पुरोहित हो तो प्रसादम में गाय की चर्बी और बीफ मिलाकर भोग लगाए जाने का कौन विरोध करेगा। पता नहीं वे ईसाई पुजारी अभी भी वहां पूजा-पाठ करा रहे हैं या नहीं। पता नहीं जगनमोहन ने महाप्रभु बालाजी को कब तक तक बीफ खिलवाया। सभी मंदिरों को अब एक बोर्ड के अधीन रखा जाय। मेरा प्रस्ताव है सभी मंदिरों को तत्काल राम मंदिर न्यास के अधीन किया जाय और बाद में सनातन बोर्ड के अधीन रखा जाय। सोचिए, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम यानी तिरुपति के भगवान वैंकटेश्वर के मंदिर में भगवान विष्णु को गाय की चर्बी से बने लड्डू यानी एक तरह से गोमांस का ही भोग लगा दिया गया। इस प्रसादम में मछली का तेल भी मिलाने की पुष्टि हुई है। सरकार किसी की भी हो उसे ऐसा किया कैसे गया। भगवान विष्णु तो पूर्ण वैष्णव हैं। भगवान को भी भ्रष्ट कर दिया और साथ ही साथ पूरे मंदिर को भी। और तो और, इस महापाप की किसी को भनक तक नहीं लगी। कोई महा सेक्यूलर भी ऐसी गलती नहीं कर सकता। पर ऐसा किया गया और यह हुआ है। जब डेयरी विकास बोर्ड ने अपनी जांच के बाद परसादम में गाय की चर्बी होने की पुष्टि कर दी है तब इसे झूठा आरोप बताकर इसे राजनैतिक स्टंट कहना सही नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी कनवर्ट होकर ईसाई बने हैं। तिरुपति बालाजी के प्रसाद में जगन रेड्डी सरकार के समय में लड्डू में घी की जगह पशुओं की चर्बी मिलाई जा रही थी। एनएबीएल की रिपोर्ट में भी पुष्टि हो गई। दोषियों को दंड दिलाने की बात एक भी पुरातनपंथी और कांग्रेसी नहीं कर रहा, जबकि वह राम मंदिर छत टपकने को हर सुबह सुर्खिया बनाता था। कुछ लंपटों के लिए आस्था का कोई महत्व नहीं है। क्या कारण है ?वामपंथ की ट्रेन भारत के ही हर स्टेशन पर रुकती आई है। पहले उद्योग और व्यवसाय पर रुकी। वहां ट्रेड यूनियन लीडर्स उतरे, संपन्नता और समृद्धि का नाश किया। फिर कृषि पर रुकी। वहां नक्सली उतरे, कृषि का नाश किया और साथ में गांव गांव तक हिंसा फैलाई। फिर अर्थव्यवस्था के जंक्शन पर रुकी. उसमें से वेलफेयर और सब्सिडी वाला माल उतारा गया। फिर शिक्षा और कला के स्टेशन पर रुकी।वहां झोला छाप कॉमरेड उतरे, कलाकार और प्राध्यापक बन कर. समाज की सोचने समझने की क्षमता का नाश किया।फिर न्याय के स्टेशन पर रुकी। वामपंथी उतर कर न्यायाधीश की कुर्सी पर बैठ गया और समाज को न्याय के स्थान पर संघर्ष का नैरेटिव परोस दिया । फिर परिवार के स्टेशन पर रुकी वहां फेमिनिस्ट डीडी उतरी और परिवार को तोड़ा, स्त्रियों को असुरक्षित और बच्चों को अनाथ किया। युवाओं को समलैंगिक और बच्चों को ट्रांस बनने को प्रेरित किया। सबकुछ जिससे सनातन सभ्यता बनी है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:
मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लगने से सात लोगों फंसे, आग पर काबू कर बचाई जान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। फजलगंज स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री में मंगलवार दोपहर को आग लग गई। देखते ही देखते आग ने फैक्ट्री के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियों ने एक घंटे की मशक्कत से आग पर काबू पाया। इसके साथ ही फैक्ट्री के भीतर फंसे 7 लोगों की जान बचाकर सुरक्षित बाहर निकाला।

सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि फजलगंज चार खंभा कुआं के पास प्लास्टिक दाना की फैक्ट्री है। शॉर्ट सर्किट से मंगलवार दोपहर को फैक्ट्री में आग लग गई। फैक्ट्री के अगले हिस्से में आग लगने से 7 कर्मचारी भीतर फंस गए। इधर आग बढ़ती जा रही थी। पास ही मौजूद फजलगंज फायर स्टेशन से चंद मिनट में ही फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आग पर काबू पाने के साथ ही फैक्ट्री के भीतर फंसे सात कर्मचारियों की भी जान बचाकर सुरक्षित बाहर निकाला। कर्मचारियों की जान बचाने में फजलगंज थाने के दरोगा लोकेंद्र कुमार, कविंद्र खटाना ने भी फोर्स के साथ ऑपरेशन में सहयोग किया।

बुढ़वा मंगल पर 56 भोग लगाकर बालाजी महाराज की गई महाआरती

कानपुर। बुढ़वा मंगल पर्व पर मंदिरों मे भक्तों की लंबी कतारें लगी। बर्रा 8 बालाजी मंदिर प्रांगण में 56 भोग लगाकर बालाजी महाराज की महाआरती की गई। कार्यक्रम में पहुंचे अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने विधि विधान से पूजन कर बाला जी महाराज का

आशीर्वाद लिया। फत्तेपुर राजेन्द्रपुरम स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में भक्तों के साथ सामूहिक हवन यज्ञ में आहुतियां दी गई। तथा भक्तों को ग्यारह सौ हनुमान चालीसा वितरित की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने कहा कि बुढ़वा मंगल पर की जाने वाली इस पूजा से भक्तों को मनचाहा फल मिलता है और रोग- दोष से मुक्ति मिलती है। आर्थिक, मानसिक और शारीरिक परेशानियों से मुक्ति पाने के लिए लोग बजरंगबली की पूजा करते हैं। साथ ही दान पुण्य और भंडारे का भी आयोजन करते हैं। इसे बुढ़वा मंगल भी कहा जाता है। मुख्य रूप से आकाश भदौरिया पंकज तोमर पंकज राजावत विकास त्रिपाठी सोमनाथ संजय तिवारी नितिन चतुर्वेदी प्रियांशु ठाकुर समेत काफी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

बुढ़वा मंगल एवं अनंत चतुर्दशी पर भक्तों ने छका भण्डारा प्रसाद

बीपीएस न्यूज

कानपुर। बुढवा मंगल एवं अनंत चतुर्दशी के अवसर पर मंगलवार को गोबिन्द नगर ब्लाक -13 मे अंबा गारमेंट्स द्वारा विशाल भण्डारे का आयोजन किया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भण्डारे का प्रसाद ग्रहण किया। पिछले दस दिनों से मोहल्ले में स्थापित गणेश पण्डाल में पूजा-अर्चना चल रही है। मंगलवार को अनंत चतुर्दशी एवं बुढवा मंगल होने के कारण गणेश पण्डाल में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया।

भण्डारे में हजारों की तादात पर श्रद्धालुओं ने भण्डारे का प्रसाद चखा। देर शाम तक भण्डारे का कार्यक्रम चलता रहा। प्रमुख रूप से महेश सोनी, प्रकाश वीर आर्य, शम्मी भल्ला, संजय दुबे, संगठन मंत्री भाजपा, गोलू, शंकर, रवि, सुमित अवस्थी, सम्राट चौहान, राजेश चोपड़ा, राजू सोनी आदि रहे।

गंगा टास्क फोर्स ने एक पेड़ मां के नाम पर चलाया वृक्षारोपण अभियान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय सेना की 137 सी ई टी एफ बटालियन टी ए 39 गोरखा राइफल गंगा टास्क फोर्स ने गंगा बैराज मैग्गी प्वाइंट कानपुर नगर में एक पेड़ मां के नाम पर वृक्षारोपण अभियान चलाया। इस अवसर पर आज का मुख्य अतिथि सी डी ओ दीक्षा जैन तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। सी डी ओ दीक्षा जैन ने अन्य अधिकारीगण, उपस्थित छात्र छात्राओं और अन्य लोगों के साथ गंगा बैराज मैग्गी प्वाइंट के परिसर पर वृक्षरोपण किया। गंगा टास्क फोर्स के कमान अधिकारी कर्नल अरविंद प्रसाद एस और कानपुर स्थित कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल अनूप कुमार ओझा के दिशा निर्देश पर विगत 6 सालों से गंगा स्वच्छता अभियान पौधा रोपण घाटों का गस्त जागरूकता निरंतर कर रहा है। गंगा टास्क फोर्स के सूबेदार ललित मोहन ने एक पेड़ मा का नाम पर वह उपस्थित सभी लोगो को गंगा का स्वच्छता और वृक्षारोपण के बारे में जागरूक किया।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

कानपुर। महानगर भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष शिवांग मिश्रा के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिवर में 100 से अधिक युवाओं ने रक्तदान किया। सीसामऊ विधानसभा 213 के युवा प्रत्याशी गिरजेश निगम (लाला भाई) ने भी अपने युवा साथियों संग रक्तदान किया जिसमें मुख्य रूप से कानपुर लोकसभा सांसद रमेश अवस्थी, भाजपा नेता सुरेश अवस्थी, शिवबीर सिंह भदौरिया विधायक सुरेंद्र मैथानी, कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष सुनील बजाज, भाजपा जिला महामंत्री वीरेश त्रिपाठी, कानपुर के उद्योगपति विजय कपूर, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सचिवेंद्र सिंह सेंगर, जिला मंत्री नितीश सोनकर व युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष आदि लोगों उपस्थित रहे।

घर में छेड़खानी के मकसद से घुसे युवक को पति ने पिटाई कर पुलिस को सौंपा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कर्नलगंज में महिला को घर में अकेला समझकर शोहदा घर के भीतर घुसकर दबोच लिया और छेड़खानी शुरू कर दी। महिला की चीख सुन पति कमरे में पहुंचे तो इलाके में रहने वाले युवक ने पत्नी को दबोच रखा था। युवक को दबोचकर घर में बंद करके पीटा और फिर बजरिया थाने की पुलिस के हवाले कर दिया। पति की तहरीर पर मंगलवार को पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़खानी, एससी/एसटी एक्ट, मारपीट, गाली-गलौज समेत अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। कर्नलगंज में रहने वाले युवक ने बताया कि 16 सितंबर को वह ड्यूटी नहीं गया और घर पर मौजूद था। अचानक पत्नी के चीखने की आवाज आई तो वह दौड़कर पत्नी के कमरे में पहुंचे तो देखा कि कंघी मोहाल निवासी युवक फैज पत्नी के कमरे में मौजूद था। पत्नी को दबोचकर छेड़खानी कर रहा था। पति ने युवक को दबोचने का प्रयास किया तो वह घर से बाहर की तरफ भागा और दरवाजे में फंसकर गिर गया। इसके बाद पति ने मो. फैज को दबोच लिया। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मुन्नालाल, दीपक, मंजू, बिल्लू और जीतू समेत कई लोगों की भीड़ लग गई। महिला के साथ घर में घुसकर छेड़खानी की जानकारी मिलने पर पति और पड़ोसियों ने युवक को कमरे में बंद करके जमकर पीटा और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर बजरिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को हिरासत में लिया। पति की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी मो. फैज के खिलाफ छेड़खानी, एससी/एसटी एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। बजरिया थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को मौके से हिरासत में लिया है। इसके साथ ही एफआईआर दर्ज करके आरोपी को मंगलवार को कोर्ट में पेश करके जेल भेजा जाएगा। आरोपी को महिला के पति और मोहल्ले वालों ने घर में घुसकर छेड़खानी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा है।

मेट्रो स्टाफ ने सृजन के देवता भगवान विश्वकर्मा की पूजा कर, लिया आशीर्वाद

• सभी निर्माण स्थलों पर आराधना सहित शहर में विश्व स्तरीय परिवहन व्यवस्था विकसित करने की गई कामना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मेट्रो के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मंगलवार को गुरूदेव चौराहा स्थित मेट्रो डिपो और नौबस्ता कास्टिंग यार्ड सहित मेट्रो से जुड़े विभिन्न निर्माण स्थलों पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा का आयोजन किया। इस अवसर पर मेट्रो के इंजीनियर्स और स्टाफ ने सृजन के देवता माने जाने वाले भगवान विश्वकर्मा की श्रद्धापूर्वक अराधना की। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भगवान विश्वकर्मा की अर्चना कर शहर और प्रदेश में चल रही विभिन्न मेट्रो परियोजनाओं के सफलता की कामना की।

वर्तमान में कॉरिडोर-1 के बैलेंस सेक्शन्स; चुन्नीगंज-नयागंज अंडरग्राउंड सेक्शन, कानपुर सेंट्रल-ट्रांसपोर्टनगर अंडरग्राउंड सेक्शन और बारादेवी-नौबस्ता एलिवेटेड सेक्शन पर निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। मैकरॉबर्टगंज स्थित रैंप से कानपुर सेंट्रल तक टनल निर्माण का काम पूरा हो चुका है। कॉरिडोर-2 (सीएसए-बर्रा-8) केरावतपुर-डबल पुलिया अंडरग्राउंड सेक्शन और एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी - बर्रा-8 एलिवेटेड सेक्शन के निर्माण कार्यों में भी तेजी से प्रगति हुई है। रावतपुर स्टेशन पर मिडस्लैब और कोनकोर्स स्लैब की ढलाई का कार्य किया जा रहा है। दोनों कॉरिडोर के पूरा होने से शहर में ट्रैफिक की समस्या और बढ़ते कार्बन फुटप्रिंट से राहत मिलेगी। इससे प्रदेश की दूसरी सबसे घनी आबादी वाले शहर की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

विधि-विधान के साथ की गई शिल्पाचार्य भगवान विश्वकर्मा की पूजा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा एवं विश्वकर्मा ब्रिग्रेड कानपुर द्वारा आयोजित आदि शिल्पाचार्य भगवान विश्वकर्मा का पूजन हवन एवं भंडारा ग्राम बहेड़ा स्थापित विश्वकर्मा मंदिर पर एवं विश्वकर्मा ब्रिग्रेड द्वारा पी एस पैलेस रामगोपाल चौराहा पर बड़े ही धूमधाम से जिला अध्यक्ष डॉक्टर डीके विश्वकर्मा के नेतृत्व में मनाया गया। अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष सूरज बली विश्वकर्मा उपस्थित हुए शोभा यात्रा ग्राम बहेड़ा पूजन स्थल से भौती बाईपास होते हुए रामगोपाल चौराहा बसंत पेट्रोल पंप शास्त्री चौक विजयनगर फजलगंज जरीब चौकी होते हुए विश्वकर्मा वाटिका पी रोड में जाकर समापन हुई। प्रत्येक वर्ष के 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा की पूजन दिवस बड़े धूमधाम से राष्ट्रीय स्तर पर मनाई जाती है। भगवान विश्वकर्मा का अर्थ ही विश्व का निर्माण करने वाला है। भगवान शंकर के त्रिशूल इंद्र को वज्र विष्णु को चक्र सुदर्शन कुबेर को डंडा तथा महादेवी दुर्गा को अस्त्र-शास्त्र एवं कवच भगवान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किया था। भगवान विश्वकर्मा ने मयूर गरुड़ का मांग शांत कुंभक चंद्रकांत सूर्यकांत नमक विमान की भी रचना की। कुछ लोग भगवान विश्वकर्मा को सकता।

सूरज बली विश्वकर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष वीर सेन यादव पूर्व जिला अध्यक्ष छोटे सिंह विश्वकर्मा प्रदेश सचिव वीरेंद्र विश्वकर्मा प्रदेश सचिव डॉक्टर डीके विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा जगत नारायण विश्वकर्मा कार्यवाहक जिला अध्यक्ष रोहित विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष यूथ बी ग्रेड एसएन शर्मा संरक्षक दिनेश शर्मा महासचिव एसएन शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष शंकर विश्वकर्मा रामसागर विश्वकर्मा रामाश्रय विश्वकर्मा उपाध्याय सतीश शर्मा बिठूर विधानसभा अध्यक्ष संजयअरुण विश्वकर्मा एवं विश्वकर्मा बंधु उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय फर्माकोविजिलेंस सप्ताह 2024 का शुरू हुआ आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय कोऑर्डिनेशन सेंटर, इंडियन फार्माकोपिया कमीशन (आईपीसी) गाजियाबाद व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा भारत के फर्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय फर्माकोविजिलेंस सप्ताह 2024 का आयोजन जीएसवीएम मेडिकल कालेज के सीएसआर सभागार में आयोजित किया गया। कानपुर में फार्मोकोलॉजी विभाग द्वारा 17 सितंबर से 23 सितंबर 2024 तक कार्यक्रम का आयोजन किश जा रहा है। फार्माकोविजिलेंस की कोऑर्डिनेटर डा0 पूजा अग्रवाल व सहायक आचार्य डॉ हिमांशु शर्मा ने बताया कि दवा के प्रतिकूल प्रभाव होने पर टोल फ्री नंबर 1800 18 03024 पर या पी.वी.पी.आई द्वारा मोबाइल एप या वेबसाइट www.ipc.gov.in पर रिपोर्ट किया जा सकता है। कार्यक्रम मरीजो की सुरक्षा के लिए दवाओं से होने वाले दुस्प्रभाव की रिर्पोटिंग को और मजबूत बनाना है। इस कार्यक्रम में एमबीबीएस छात्रों द्वारा पोस्ट एवं बैनर बनाकर मेडिकल कॉलेज एवं संबंधित चिकित्सालय की ओपीडी एवं वार्डों में लगाना, पंपलेट वितरण करके रोगियों में जागरूकता फैलाने का कार्य किया जाना व इसी के साथ एमबीबीएस एवं परास्नातक छात्रों का फार्माकोविजिलेंस विषय पर लेक्चर व क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विजयी छात्रों को पदक तथा उपहार देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज फार्मोकोलॉजी विभाग के विभाग अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार कुशवाहा, एवं समस्त जूनियर डॉक्टरो द्वारा कार्यक्रमक को संचालित किया गया। डॉ पूजा अग्रवाल ने बताया कि फार्माकोलॉजी विभाग के फॉर्माकोइकोनोमिक्स ड्रग यूटिलाइजेशन तथा प्रिस्क्रिप्शन पैटर्न ऑफ़ ड्रग पर अध्ययन कर चल रहा है। डॉ पूजा अग्रवाल ने बताया कि अक्सर मरीज मेडिकल स्टोर से दवाएं खरीद कर खा लेता है और डाक्टर्स के पास उचित सलाह नही लेता है जिसके कारण इन दवाओं को मरीज पर सीधा असर पडता है। जिनमें दस्त का होना, उल्टी होना, शरीर में चक्कते पड जाना, लीवर में इंफेक्शन का होना तथा किडनी इंफेक्शन का होना पाया जाता है। ऐसे कें जिस डाक्टर्स से मरीज का इलाज चल रहा है उससे सम्पर्क कर अपनी समस्या बता कर समय रहते इलाज करवा सकता है ताकि शरीर के इन अंगो को बचाया जा सके।

सहायक आचार्य डॉ हिमांशु शर्मा ने बताया कि दवाओ के साइड इफेक्ट होने पर फार्माकोविजिलेंस के सेंटर में भी मेल द्वारा तथा ओल फ्री नम्बर की सहायकता से शिकायत दर्ज करवा सकता है। बीते साल में 1000 लोगो को जागरूक करने का कार्य किया गया था, लेकिन शिकायत कोई भी दर्ज नही की गई इन सभी का डेटा डब्लूएचओ के पास रहता है।

अग्निकांड में 6 की मौत, फैक्ट्री मालिक गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रनियां क्षेत्र में गददा बनाने वाली फैक्ट्री में आग से अबतक 6 मजदूरों की मौत हो चुकी है, कई का उपचार चल रहा है, जिनमें कुछ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। वहीं, डीएम आलोक सिंह और एसपी बीजीटीएस मूर्ति द्वारा त्वरित एक्शन लेते हुए बिना एनओसी और मानकों के संचालित फैक्ट्री मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफतारी की कार्रवाई की गई है। घटना के बाद मजदूरों में आक्रोश है।

रनियां औद्योगिक क्षेत्र के खानपुर खरंजा गांव के निकट आरपी पॉली पैक- गददा बनाने वाली फैक्ट्री संचालित की जा रही थी। शनिवार को शार्ट सर्किट या किसी वजह से आग लग गई। फैक्ट्री के अंदर फोम जमा होने के कारण चिंगारी ने भयावह रूप ले लिया। इसकी वजह से कई मजदूर अंदर फंस गए। जिला प्रशासन एवं एसडीआरएफ ने तत्काल राहत बचाव कार्य शुरू किया तो इसमें 3 मजदूरों की जली लाश मिली बाकी 3 अन्य मजदूरों की मौत अस्पताल में हो गई। कई की हालत अभी भी गंभीर बताई गई है। मृतकों, घायलों के परिजनों को उचित सरकारी सहायता प्रदान की जाएगी।

एडीजी जोन ने महत्वपूर्ण बिन्दुओं के संबंध में समीक्षा गोष्ठी कर दिए निर्देश

कानपुर। आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जोगेन्द्र कुमार, पुलिस उपमहानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर, कलानिधि नैथानी, पुलिस उपमहानिरीक्षक, झांसी परिक्षेत्र, झांसी एवं कानपुर जोन के समस्त जनपद प्रभारियों के साथ टॉप-10 में गौ-तस्कर, सट्टा, भू-माफियाओं के अपराधियों को पुन: चिन्हित करना, महिला सुरक्षा, साइबर जागरूकता, रेल सुरक्षा, डकैती में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी, जनसमस्याओं के निस्तारण व अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। समीक्षा गोष्ठी के दौरान निर्देशित किया गया कि जनसमस्याओं के निस्तारण हेतु सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी मौके पर जाएं तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें।

अवैध बेसमेन्ट बनाने वाले मकानों पर केडीए की निगाहे टेढ़ी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा कानपुर विकास प्राधिकरण, कानपुर के क्षेत्रान्तर्गत स्थित भवनों के बेसमेन्ट निर्माण/संचालन के सम्बन्ध में आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित न किये गये भवनों के सम्बन्ध में निर्गत निर्देश के अनुक्रम में उपाध्यक्ष महोदय श्री मदन सिंह गर्ब्याल, सचिव महोदय श्री अभय कुमार पाण्डेय, कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्राधिकरण क्षेत्र के अन्तर्गत टीम गठित कर ऐसे भवनों के बेसमेन्ट के निर्माण/संचालन के विरूद्ध प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु दिये गये निर्देश के क्रम में प्रवर्तन (जोन-2) के अन्तर्गत गठित टीम द्वारा भवनों की स्थलीय जांच में ऐसे निर्मित भवन जिनके बेसमेन्ट में कोचिंग सेन्टर/पावर हब/लाइब्रेरी का संचालन किया जा रहा है।

ऐसे भवनों के बेसमेन्ट में उक्त गतिविधियॉ संचालित होने के कारण मानवजनित/प्राकृतिक दुघर्टना कारित हो सकती है।

इस प्रकार उपरोक्त परिसर एवं तत्संबंधित गतिविधियॉ उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 यथा संशोधित 1997 की सुसंगत धारा-14 व 15 के विपरीत है, के दृष्टिगत उक्त भवनों/परिसरों पर डा0 रवि प्रताप सिंह विशेष कार्याधिकारी/उप जिलाधिकारी प्रवर्तन (जोन-2) के नेतृत्व में सहायक अभियन्ता श्री एस0डी0 तिवारी, अवर अभियन्ता श्री सी0बी0 पाण्डेय, समस्त सुपरवाइजर व पर्याप्त सुरक्षा बल के साथ आज दिनांक 19.09.2024 को प्रवर्तन (जोन-2) क्षेत्र के अन्तर्गत कुल 03 भवनों पर सीलिंग की कार्यवाही की गयी।

रामलीला मंचन में भ्रूण हत्या पर रोक लगाने की अपील

रामलीला मंचन पर लगे बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ के नारे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सेन पश्चिम पारा क्षेत्र में रामलीला मंचन के दौरान कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति कर दर्शकों का मन मोह लिया। मंचन का रहे कलाकारों ने राम-जटायु मिलन लक्ष्मण द्वारा शूर्पनखा की नाक काटना एवं खर-दूषण वध दिखाया। मंच पर शूर्पनखा के लटके झटके देखकर दर्शक खूब हंसे। वहीं खरदूषण और उनकी सेना ने भी आतंक मचाया। रामलीला के मंच पर छोटे बच्चों को लोरी दी गई।

मुख्य अतिथि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने भगवान श्री राम की आरती कर लीला का शुभारंभ किया इस मौके पर समिति के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि मनोज भदौरिया का स्वागत माल्यार्पण कर पटका पहनाकर किया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि मनोज भदौरिया ने कहा कि भगवान श्री राम का जीवन चरित्र एक ऐसा आदर्शवादी चरित्र है, जिसका पालन भारतवर्ष के प्रत्येक घर में होना चाहिए। रामलीला मंचन के माध्यम से लोगों को यही संदेश दिया जाता है कि आने वाली पीढ़ी इसे जान सके और अपनी धर्म संस्कृति का अनुसरण कर सकें। उन्होंने रामलीला के संबंध में बताया कि स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा भगवान के विभिन्न स्वरूपों का बड़ा ही मार्मिक दृश्यांकन किया जाता है। अध्यक्ष अरविन्द सिंह ने बताया कि समिति को मुख्य अतिथि मनोज भदौरिया के द्वारा निरन्तर हर तरह का सहयोग से सफल आयोजन किया जा रहा है। जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने प्रांगण में बैठे सैकड़ो दर्शकों से कहा की क्या हमने हमारा लिंगानुपात देखा है। समाज में यह असंतुलन कौन बना रहा है? भगवान नहीं बना रहे मैं चिकित्सकों से अपील करता हूं कि गर्भस्थ कन्या की हत्या न करें। उन्होंने कहा मैं माता पिता से बेटी की हत्या न करने की अपील करता हूं। श्री भदौरिया ने कहा कि वह ऐसे परिवारों को भी जानते हैं, जिनमें कई बेटे थे और जो बड़े मकानों में रहते थे लेकिन अपने बूढ़े मां बाप को वृद्धाश्रम भेज दिया। उन्होंने कहा वहीं मैंने ऐसे परिवार भी देखे हैं। जिनमें इकलौती बेटी ने अपने माता-पिता की देखभाल करने के लिए शादी भी नहीं की। रामलीला के दौरान जय जय श्री राम के जोरदार नारे लगाए गए। इस मौके पर मुख्य रूप से संरक्षक अनंत सिंह अध्यक्ष अरविंद सिंह नवरंग सेंगर राज कपूर नितिन चतुर्वेदी प्रियांशु ठाकुर विश्वजीत सिंह कुशवाहा रामाआसरे कुशवाहा सुशील सिंह प्रांजुल सिंह राघवेंद्र सिंह भदौरिया आशीष सिंह परिहार राहुल निगम सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिला आईपीएस को लिखा डॉक्टर ने पत्र

कानपुर। महिला आईपीएस अफसर और रिटायर डॉक्टर के बीच पार्किंग का मामला गुरूवार को पूरा दिन सुर्खियों में रहा तो वहीं डॉक्टर रामजी खन्ना की तरफ से केडीए उपाध्यक्ष, पुलिस आयुक्त, डीएम, प्रमुख सचिव समेत कई अधिकारियों को भेजा गया एक पत्र भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वायरल पत्र की अखबार पुस्टि नहीं करता है। पत्र में श्री खन्ना ने आईपीएस अधिकारी का सम्बोधित करते हुए लिखा कि आपका वाहन बीच रास्ते में खड़ा किया जाता है, टोकना पर कहा जाता है कि पार्किंग में वाहन खड़ा करने के लिये आपको विशेषाधिकार है, साथ ही आपके स्टाफ के लोगों की गाड़ियां भी खड़ी की जाती है आपके मकान मालिक को पार्किंग में एक कार खड़ी करने का आवंटन है लेकिन कई गाड़ियां खड़ी रहती है। बेसमेंट में दो कमरे में आपके स्टाफ का अवैध कब्जा है। कई प्रकार की दिक्कतों का बयान करते हुए लिखा की आप अपने वाहन को पार्किंग में खड़ा करे। पत्र में आईपीएस अधिकारी से निवेदन स्वरूप नियमों का पालन करने को कहा गया है। वहीं इस मामले मे कोई भी अधिकारी ने आफिशियल बयान नहीं दिया। जिस डॉक्टर के खिलाफ नवाबगंज थाने में एक्सीडेंट का मुकदमा दर्ज किया गया, उन्होंने फर्जी मुकदमा दर्ज करने की बात कही है।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर मिलने वाली सब्सिडी से वाहन स्वामी अनजान:उप परिवहन आयुक्त

• सरकार की योजना का लाभ लोगों को न मिले तो योजना किस काम की
• कार पर एक लाख व मोटरसाइकिल पर पांच हजार की मिलती है सब्सिडी
• डीलर द्वारा फार्म को भर कर कार्यालय न भिजवाना सब्सिडी न मिलने का प्रमुख कारण

कानपुर। इलेक्ट्रिक वाहनो पर मिलने वाली सब्सिडी से कई वाहन स्वामी अभी तक अंजान है या यूं कहे कि शायद उन्हें डीलर कोई जानकारी ही नही देता है जिससे उनको मिलने वाली सब्सिडी से वह महरूम रह जाते है। सब्सिडी को वाहन स्वामी किस तरह से प्राप्त कर सकता है इसके बारे में उप परिवहन आयुक्त कानपुर परिक्षेत्र ने महत्वपूर्ण जानकारी दी ।उप परिवहन आयुक्त कनपुर परिक्षेत्र (जोन) आर आर सोनी ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनो की खरीद पर वाहन स्वामियों को सरकार द्वारा सब्सिडी दी जा रही है जिसके बारे अधिकांश को जानकारी ही नही है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहन खरीदते समय डीलर क्रेता को एक फार्म भर कर देता है जिसको आरटीओ विभाग के एआरटीओ प्रशासन के पास मिलान के लिए भेजा जाता है। उसके बाद उसी फार्म को स्कूटनी कर टीसी कार्यालय लखनऊ ऑनलाइन भेज दिया जाता है, जहां पर पोर्टल पर सब्सिडी फार्म को अपलोड कर मिलने वाली सब्सिडी को वाहन स्वामी के खाते में सीधे ट्रांसफर कर दिया जाता है।

उन्होंने बताया कि ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) कार की खरीद पर एक लाख रूपये तक सब्सिडी दी जाती है, जबकि मोटरसाइकिल की खरीद पर पांच हजार की सब्सिडी सीधे वाहने स्वामी के खाते में भेज दी जाती है। श्री सोनी ने बताया कि वाहन स्वामी को इसका लाभ न मिलने की सबसे बडी वजह डीलर द्वारा वाहन स्वामी को सब्सिडी के बारे जानकारी न देना और सब्सिडी फार्म को भर आरटीओ कार्यालय न भिजवाना भी एक प्रमुख कारण है। उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में ईवी वाहनो का चलन बढ़ेगा क्योंकि यह पर्यावरण के लिए बहुत ही लाभदायक है। लेकिन सरकार द्वारा मिलने वाली सबिसडी से कई वाहन स्वामी वंचित रह गए है। एक आंकडा बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर ईवी वाहन हजारो की संख्या में बिके और डीलर ने फार्म उसके सापेक्ष बहुत कम भरे तो भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा विभाग को मिलने वाली ग्रांट अन्य विभाग को दे दी जाती है जिससे विभाग को काफी नुकसान उठाना पडता है। इसके लिए डीलरों के साथ मीटिंग कर सब्सिडी फॉर्म को कार्यालय भेजने का दिशा निर्देश दिए गए है ताकि सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी उन तक पहुंचे तभी सरकार के लाभ देने का सही अर्थ पूर्ण होगा।

एपी फैनी मामले में पहली गिरफ्तारी, करोड़ों की जमीन पर अभी खुलेंगे और राज

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चुन्नीगंज के चर्चिल एपी फैनी जमीन कब्जाकांड में पुलिस ने मुख्य सूत्रधार सलीम बिरयानी को गुरुवार को अरेस्ट कर लिया। 1000 करोड़ से ज्यादा की मिशनरी संपत्ति का केयर टेकर बनकर सलीम जमीनों की खरीद-फरोखूत कर रहा था। इससे पूर्व भी सलीम बरयानी और उसके कई साथियों पर मुकदमें दर्ज किये गये थे लेकिन एक बड़े सिंडीकेट ने मुकदमों में खेल कर दिया था। मामले में पैरवी करने वाले एडवोकेट डी के ठाकुर ने कई बार मुकदमा वादी को लेकर पुलिस अफसरों से गुहार लगायी।

सिंडीकेट के सामने उनकी एक नहीं चली। अब सलीम बिरयानी पर कार्यवाही हुई है। सलीम ने पूछताछ में कई बड़े नामों का खुलासा किया है। पुलिस जल्द ही अन्य आरोपियों की भी अरेस्टिंग करेगी।

शहर की प्राइम लोकेशन चुन्नीगंज स्थित मिशनरी की संपत्ति (एपी फैनी) करीब 7 एकड़ जमीन कब्जा करके प्लॉटिंग कर बेचने के मामले में लेखपाल ने 3 सितंबर 2024 को कर्नलगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें मो. रेव. जॉनसन टी जॉन, अनिल कुमार, अर्पित मिश्र, दीपक कुमार और दुर्योधन कुमार के खिलाफ नामजद और अज्ञात के एफआईआर दर्ज हुई थी। इन पर आरोप है कि मिशनरी की संपत्ति एपी फैनी कंपाउंड को फर्जी दस्तावेज बनाकर खरीद फरोखूत की ।पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने बताया कि अवैध तरीके से खरीद-फरोखूत का खुलासा करने के लिए डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी की अध्यक्षता में एक एसआईटी का भी गठन किया था। एसआईटी ने 1000 करोड़ के जमीन कब्जा करके बेचने की कोशिश के मामले में गुरुवार को पहली अरेस्टिंग सलीम बिरयानी की कर ली है।

कर्नलगंज इंस्पेक्टर रविन्द्र श्रीवास्तव और बेकनगंज एसओ ने फोर्स के साथ छापेमारी तलाक महल के पास से अरेस्ट कर लिया। जांच में सामने आया कि सलीम बिरयानी इस जमीन का केयर टेकर था। उसे पूरी जानकारी थी कि मिशनरी की संपत्ति को बेचा नहीं जा सकता है। इसके बाद भी वह बिक्री किए गए दो जमीनों की रजिस्ट्री में गवाह है।

जिलाधिकारी ने समुचित प्राधिकारी पीसीपीएनडीटी के गर्भ धारण एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीकि पर की बैठक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में समुचित प्राधिकारी पी0सी0पी0एन0डी0टी0 कानपुर नगर के द्वारा गर्भ धारण एवमं प्रसव पूर्व निदान तकनीकि (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम 1994 के एवं सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम, 2021 के अंतर्गत नामित सदस्यों की उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आवेदित पी0सी0पी0एन0डी0टी0 पंजीकरण/नवीनीकरण/स्थल परिवर्तन/चिकित्सक एड एवं सरोगेसी के प्रार्थना पत्रों का जिलाधिकारी द्वारा अवलोकन किया गया एवं सदस्यों के साथ विचार विमर्श करते हुए नामित मजिस्ट्रेट तथा संबंधित डाक्टर की संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर निम्न प्रकरणों में संस्तुतिकरण एवं असंस्तुतिकरण की कार्यवाही की गई । बैठक में नवीनीकरण के 11आवेदन प्रस्तुत किए गए जिसमें 07 आवेदनों को संस्तुति की गई जबकि 04 प्रकरण कमी के कारण निरस्त किए गए, नवीनीकरण के 09 आवेदन प्रस्तुत किए गए जिनमें 08 नवीनीकरण संस्तुति की गई तथा एक में कमी के कारण निरस्त किया गया।

स्थल परिवर्तन का 01 आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसकी संस्तुति की की गई, चिकित्सक जोड़ने के 05 आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिनमें 04 की संस्तुति की गई तथा एक चिकित्सालय द्वारा ही उनके अनुरोध को अस्वीकृत किए जाने के अनुरोध के कारण निरस्त किया गया। बैठक में कानपुर नगर,अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम, कानपुर नगर,अपर नगर मजिस्ट्रेट द्वितीय,कानपुर नगर, डा0 सीमा श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रसूति/स्त्री रोग विशेषज्ञ ए0एच0एम0, डफरिन चिकित्सालय कानपुर नगर,आर0के0 सफ्फड़ (एन0जी0ओ0)रेडक्रॉस सोसायट, डा0आर एन सिंह,सुबोध प्रकाश ,आर0पी0 मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

ग्रीन पार्क में कैंप आफिस से रखी जायेगी नजर

बीपीएस न्यूज

कानपुर।। ग्रीनपार्क में होने वाले भारत-बांग्लादेश टेस्ट मैच को लेकर सुरक्षा व्यवस्था दिन पर दिन मजबूत होती जा रही है। बुधवार को स्टेडियम में पुलिस कैंप ऑफिस का उद्घाटन किया गया तो गुरूवार को अफसरों की पूरी टीम नेएक बार फिर ग्रीन पार्कके सभी गेटों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का मंथन किया। एक दो दिन मे सुरक्षा से सम्बंधित सभी तैयारियों को पूरा करके डयूटी सम्भी चार्ट बनाया जायेगा। ऑफिस का उद्घाटन पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने पूजा अर्चना कर किया। इसके बाद उन्होंने स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था को भी परखा ।न के बाद उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के डॉयरेक्टर व उद्योगपति माधव कृष्ण सिंघानिया व युद्वीर सिंह ने वेन्यू डॉयरेक्टर डॉ. संजय कपूर के साथ मिलकर पूरे स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान मंथन किया गया कि किस तरह से मैच को और अच्छा बनाया जा सकता है। मैच को लेकर क्या-क्या तैयारियां पूरी कर ली गई हैं ।पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने ग्रीनपार्क में यूपीसीए पदाधिकारियों के साथ स्टेडियम का पूरी निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस कमिश्नर ने ग्रीनपार्क के बाहरी एरिया के साथ ही मैदान के अंदर और दर्शक दीर्घा के पीछे निरीक्षण किया ।पुलिस कश्मिनर ने बताया कि 360 डिग्री सीसीटीवी कैमरा हर गेट पर रखे जाएंगे, होटल लैंडमार्क से लेकर ग्रीनपार्क तक दोनों टीमों की अभेद्य सुरक्षा रहेगी ।स्टेडियम में मैच के दौरान पांचों दिन यूपीसीए की ओर से चार एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। इसमें से एक एबुलेंस न्यू प्लेयर्स पवेलियन के बाहर रहेगी। अन्य तीन एंबुलेंस पूरे मैदान में अलग-अलग स्थानों पर आम दर्शकों के लिए रखी जाएंगी, ताकि मैच के दौरान यदि किसी को कोई भी परेशानी होती है, तो उसको तुरंत उपचार दिया जा सकें ।एंबुलेंस के साथ एक डॉक्टर व उसके कर्मचारियों की पूरी टीम भी मौजूद रहेगी।

एक भारत एक पहचान विषय पर हुई भाषण प्रतियोगिता

कानपुर। ऑल इंडिया वूमेन कांफ्रेंस द्वारा श्री कैलाश नाथ बालिका विद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए विद्यार्थियों के लिए एक भारत एक पहचान विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने निर्धारित समयावधि में प्रभावी भाषणों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों ने हिंदी में कविताएं भी सुनाई। प्रतियोगिता की उपरांत जजेस सुभद्रा सक्सेना, लक्ष्मी, सुषमा वर्मा ने बच्चों को प्रथम और द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त सभी प्रतिभागी बच्चों को सर्टिफिकेट भी संस्था द्वारा दिए गए। इस अवसर पर ओएनजीसी द्वारा जारी स्वच्छता रखने की शपथ भी बच्चों को दिलवाई गई। कार्यक्रम का संचालन संस्था की रमिंदर अरोड़ा एवम धन्यवाद स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने दिया।

इस अवसर पर संस्था की संस्था की अध्यक्ष अनीता गर्ग, सेक्रेटरी रविंदर अरोड़ा, उपाध्यक्ष सीमा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रीता गुप्ता, संस्था की वरिष्ठ पदाधिकारी हरविंदर कौर,सुभद्रा सक्सेना, लक्ष्मी, सुषमा वर्मा ,उषा अग्रवाल,नीता गुप्ता, अनीला रस्तोगी, दीपिका रस्तोगी आदि सदस्याये उपस्थित रही।

लाभार्थी विश्वकर्माओं को प्रमाण पत्र एवं लोन किया वितरण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। एनएसटीआई गोविंद नगर, में पीएम विश्वकर्मा योजना की प्रथम वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री, उ0प्र0, ब्रजेश पाठक द्वारा लाभार्थी विश्वकर्माओं को प्रमाण पत्र एवं सस्ती ब्याज दर एक लाख रूपये के ऋण से सम्बन्धित कागज़ात प्रदान किए गए। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का सम्मान पुष्प गुच्छ एवं मोमेंटों प्रदान कर पी0एम0 विश्वकर्मा योजना के प्रभारी एवं उप महानिदेशक अनिल कुमार द्वारा किया गया। विधायक गोविंद नगर सुरेन्द्र मैथानी तथा विधायक कल्याणपुर नीलिमा कटियार का सम्मान संस्थान के कार्यालयाध्यक्ष एम0 कुमारवेल तथा उप निदेशक मुरारी लाल रस्तोगी द्वारा एवं कानपुर नगर के जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह का सम्मान अनिल कुमार द्वारा किया गया। इसके पूर्व पी0एम0 विश्वकर्मा योजना की प्रथम वर्षगांठ पर वर्धा, महाराष्ट्र मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री जयंत चौधरी की उपस्थिती मे आयोजित समारोह को स्क्रीन लगाकर संस्थान के ए0वी0 हाल मे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उपस्थित विशिष्ट एवं अति विशिष्ट अतिथि तथा उपस्थित विश्वकर्माओं एवं संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा सजीव प्रसारण को देखा गया।

मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पी0एम0 विश्वकर्मा योजना की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए अपने सम्बोधन मे कहा कि पूर्व मे समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने वाले विश्वकर्माओं की अनदेखी की गयी परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन मे इस ओर विशेष ध्यान दिया गया है तथा पी0एम0 विश्वकर्मा योजना जैसी योजना को साकार करने का कार्य किया गया है, जिसके कारण आज अपने-अपने क्षेत्र मे पारंगत पारम्परिक शिल्पकारों को उच्च तकनीकी प्रशिक्षण नि:शुल्क रूप से प्रदान कर एवं उच्च स्तरीय नि:शुल्क टूल किट देकर उनके कौशल को विकसित करने का कार्य किया जा रहा है, जिससे कौशल विकास देश की अर्थव्यवस्था मे महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है। समारोह मे कुल 33 लाभार्थी विश्वकर्माओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा 03 विश्वकर्माओं सूरज कुमार, शिव कुमार तथा आशीष कुमार को सस्ती ब्याज दर एक लाख रुपये के ऋण से संबन्धित कागज़ात भी प्रदान किए गए। पी0एम0 इस अवसर पर पी0एम0 विश्वकर्मा योजना के ब्रांड एम्बेस्सेडर सुनील नारंग, अवधेश सोनकर तथा सुनील बजाज सहित संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रवि पाण्डेय द्वारा किया गया।

उप चुनाव की कवायत तेज, वित्तमंत्री ने तीन मंडलों के प्रभारियों के पेंच कसे

चुनाव या युद्ध बिना उत्साह के नहीं जीता जा सकता: सुरेश खन्ना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता वा उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना गुरुवार को सीसामऊ चुनाव के निमित पार्टी कार्यालय नवीन मार्केट में आगमन हुआ। सीसामऊ विधान सभा के चुनीयगंज, रायपुरवा मंडल और कौशलपुरी मंडल की मैराथन बैठक चली। बैठको का एमएलसी मानवेंद्र सिंह ने हर मंडल के प्रत्येक बूथ प्रवासी को खड़ा कर के सुरेश खन्ना ने बूथ की संरचना पन्ना प्रमुख से बूथ कमेटी का पूर्ण विवरण लिया। जिन बूथों की संरचना में कोई कमी पाई गई उनको दो दिन में दुरस्त करने का निर्देश दिया। सुरेश खन्ना ने चुनाव या युद्ध बिना उत्साह के नही जीता जा सकता ।प्रत्येक बूथ प्रभारी अपने बूथ पर अभी से घर घर जाकर हाथ जोड़कर निवेदन कर ले। यदि किसी मतदाता में कोई गुस्सा होगा या कोई शिकायत होगी उसको हम अभी दूर कर लेगे और मतदाता का गुस्सा चुनाव तक नही जायेगा। प्रत्येक बूथ पर 250 से जायदा मकान या परिवार नही होगे। जब हम हाथ जोड़कर अभी से मतदाता से सम्मान पूर्वक आग्रह करेगे तो मतदाता हमारी ओर आकर्षित होगा। हमारे बूथ पर जो लाभार्थी होगे उनको हमने योजनाओं का लाभ देकर अहसान नहीं किया उनसे हाथ जोड़कर आगे जिस योजना के पात्र हो उनको दिलाए। श्री खन्ना ने कहा जीत का कोई विकल्प नहीं होता या 51 या 49 बस। प्रदेश में यूएनडीपी की रिपोर्ट के अनुसार 6 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आ गए। हमको मन में उत्साह की हर हाल में जीतेगे कोई कसर नहीं छोड़ेगे। जिला अध्यक्ष दीपू पांडे ने कहा पूरे देश की नही पूरे विश्व की सबसे बड़ी पार्टी अपने कार्यकर्ताओं की दम पर है ।हमारे कार्यकर्ता में हनुमान जैसा बल है, बस उसको याद दिलाने की जरूरत होती है। बैठक में प्रमुख रूप से प्रकाश पाल , एमएलसी मानवेंद्र सिंह,, विधायक महेश त्रिवेदी ,नीलिमा कटियार, अनिता गुप्ता ,अनूप अवस्थी, आनंद मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा, संतोष शुक्ला, अवधेश सोनकर जितेंद्र विश्वकर्मा कपिल गुप्ता तीनो मंडल के अध्यक्ष गौरव पांडे, अभिमन्यु सक्सेना करण सिंह यादव विवेक पांडेआदि उपस्थित थे।

सांसद ने शहर में व्याप्त समस्याओं पर नगर आयुक्त से की मुलाकात

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।सांसद रमेश अवस्थी, जिला अध्यक्ष दीपू पांडे, सभी मंडल अध्यक्ष सहित सीसामऊ विधान सभा के भाजपा पार्षद ने नगर आयुक्त से शहर में व्याप्त जन समस्याओं के संबंध में नगर आयुक्त सुधीर कुमार से मुलाकात की। सांसद ने शहर और विशेष कर सीसामऊ विधानसभा में व्याप्त समस्याओं से अवगत कराया। जिला अध्यक्ष दीपू पांडे ने हाउस टैक्स के बढ़े कर आने और नगर निगम केडीए में दाखिल खारिज में रजिस्ट्री का 1 फीसद शुल्क लिए जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा ये न्याय संगत नही है इस नियम को तुरंत वापस लिया जाए। इस को अति शीघ्र निस्तारण करने की मांग की। मंडल अध्यक्ष कौशलपुरी अभिमन्यु सक्सेना ने थाना बजरिया के पीछे की नगर निगम की जमीन पर और बकर मंडी नाले के उप्पर हो रहे निर्माण का मामला उठाया। मंडल अध्यक्ष लाजपतनगर वास्ते त्रिपाठी ने जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र जारी होने में लग रहे महीनो के समय और फजलगंज में नगर निगम की जगह पर प्राइवेट डग्गामार बसों को खड़ा कर के जाम की समस्या उत्पन्न होने का मामला नगर आयुक्त के सामने रखा। सांसद रमेश अवस्थी ने नगर आयुक्त को निर्देशित किया की जोनल और नीचे के अधिकारी हर 15 दिन में बैठे और मौके पर ही जनता की समस्योओ का निस्तारण करे। वार्ता करने वालो में प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी साउथ के अध्यक्ष शिव राम सिंह,मंडल अध्यक्ष प्रशान्त पाल , करन सिंह यादव गौरव पांडे,दीपक शुक्ला सुमित पावा ,पार्षद गोविंद शुक्ल,विवेक शर्मा, आलोक पांडे, अंकित मौर्या, पवन गुप्ता, अनुराग शर्मा, नीरज रख्सेल, सहित सभी मंडल अध्यक्ष उपस्थिति थे।

सशक्त युवा ही देश का भविष्य : कुलपति

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए विवि के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना अंतर्गत विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अधिकारियों द्वारा टैबलेट प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य है और युवाओं को अपग्रेड कर सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है ।उन्होंने छात्रों से कहा कि देश की प्रगति में अपनी भागीदारी दर्ज कराएं ।इस देश को फिर से विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें ।तथा कृषि छात्र अपने को डिजिटल सशक्त बनाएं। कार्यक्रम में 130 छात्र छात्राओं को टेबलेट वितरण किए गए। कार्यक्रम के आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉक्टर मुनीश कुमार ने कहा कि यह डिवाइस बहुत महत्वपूर्ण है इसका उपयोग बहुत अच्छे से पढ़ाई हेतु करें व सशक्त बने।

इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर सीएल मौर्य,निदेशक शोध डॉ पीके सिंह, कुल सचिव डॉक्टर पी के उपाध्याय एवं विभाग अध्यक्ष उद्यान डॉक्टर वी के त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश डॉट चैंपियनशिप का विजेता बना कानपुर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन एवं उप्र डॉट एसोसिएशन के तत्वाधान में अरमापुर जूनियर क्लब में आयोजित डॉट चैंपियनशिप में 25 सितंबर को मलेशिया में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उदीयमान खिलाड़ी शैलेश कुमार, महिमा गौतम ,आदित्य कुमार, आर्यन साहू, प्रियम कुमार, नेहा गौतम, जमीर अहमद के साहसिक प्रदर्शन से कानपुर डॉट चैंपियनशिप का विजेता बना,।

कार्यक्रम का उद्घाटन कानपुर ओलंपिक संघ के सचिव रजत दीक्षित ने एवं समापन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी संजय सिंह ने किया ,प्रतियोगिता में उन्नाव, लखनऊ, गोरखपुर, दिल्ली, मध्य प्रदेश, गुजरात के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में विनय अवस्थी(सचिव) कानपुर मास्टर्स एथलेटिक एसोसिएशन, राजेश सिंह, अरविंद कुमार, अमन सचान, मुदित केसरवानी अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया ।

बारावफात जुलूस में 'सिर तन से जुदा' के नारे, कौन बिगाड़ रहा है यूपी का माहौल?

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में बारावफात के जुलूस के दौरान 'सिर तन से जुदा' के नारे लगाने का वीडियो वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में कुछ युवक माइक को हाथ में लेकर नारे लगा रहे हैं. 16 सेकंड के इस वायरल वीडियो में कुछ लोग मिलकर गुस्ताख-ए-रसूल की एक सजा, सर तन से जुदा के नारे लगा रहे हैं. ये मामला मुरादाबाद के बिलारी थाना क्षेत्र का है. वीडियो वायरल होने के बाद सवाल उठने लगा है कि आखिर उत्तर प्रदेश में इस तरह कौन माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है और इन सबका मास्टरमाइंड कौन है.

हिंदू संगठन नाराज, किया प्रदर्शन

वीडियो वायरल होते ही हिंदू संगठन नाराज हो गए और बिलारी थाने के सामने प्रदर्शन किया. बजरंग दल का कहना है कि नारों के जरिए समाज में डर का माहौल बनाया जा रहा है. बजरंग दल के प्रांत संयोजक गौरव भटनागर का कहना है कि बिलारी मे सर तन से जुदा के जो लोग नारे लगा रहे है, ये समाज मे भय का माहौल बनने का प्रयास है. बजरंग दल हिंदू समाज के कवच की तरह है और इस तरह के भाषण बजरंग दल बर्दास्त नहीं करेगा. अभी तो मुकदमा दर्ज कराया है. अगर सबको पर उतरना पड़ा तो बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करेंगे.

दूसरी ओर पुलिस ने वायरल वीडियो की जांच कराने की बात कही है, हालांकि अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है. यह भी पता नहीं चल पाया है कि वीडियो कहां का है और इसमें शामिल लोग कौन हैं. फिलहाल मामला दर्ज कर लिया गया है और बिलारी में माहौल को देखते हुए पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है. मामले के सीओ बिलारी राजेश तिवारी का कहना है कि वीडियो संज्ञान मे आया है, जिसकी जांच के बाद मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है.सिद्धार्थनगर में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान पत्थर बाजीउत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान पत्थरबाजी की घटना से दो समुदाय के बीच तनावपूर्ण माहौल हो गया. पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा तो हिंदू पक्ष पथराव करने वाले लोगों पर कार्रवाई की मांग करने लगे. दरअसल, शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र में गणेश की प्रतिमा विसर्जित करने के लिए जुलूस निकाला जा रहा था. आरोप है कि मारवाड़ी चौराहे पर वार्ड नंबर 11 के पास दूसरे समुदाय के लोगों ने जुलूस पर पत्थर फेंके. इसके बाद इलाके में माहौल तनावपूर्ण हो गया. पत्थरबाजी की जानकारी मिलते ही हिंदू समुदाय के लोग इकट्ठा हो गए. इस बीच भारी संख्या में पुलिसबल पहुंचा. नारेबाजी तेज हो गई. वीडियो में देख सकते हैं कि इलाके में काफी संख्या में लोग मौजूद हैं. जय श्रीराम के नारे लग रहे हैं.पत्थरबाजी से नाराज हिंदू समुदाय के लोग जुलूस आगे ना ले जाने पर अड़ गए. भारी संख्या में मौजूद हिंदू समुदाय दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करने लगा. बाद पुलिस के आला अधिकारियों ने उन्हें समझा बुझाकर आगे बढ़ाया. तनाव को देखते हुए इलाके में पुलिसबल तैनात कर दिया गया है. लोगों पर नजर रखी जा रही है और संदिग्धों की पहचान की जा रही है.

दंगे और दंगाई राज्य से गायब हो चुके हैं- सीएम योगी

दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दावा कर रहे हैं कि राज्य से दंगे और दंगाई राज्य से गायब हो चुके हैं. लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि यूपी में अगर किसी ने कानून व्यवस्था से खिलवाड़ किया तो उसे उसके अंजाम तक पहुंचाया जाएगा. योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर बिना नाम लिए विपक्ष पर निशाना साधा है और कहा है कि कानून व्यवस्था की स्थिति को ऐसा रखा गया है कि जहां हर दूसरे तीसरे दिन दंगे होते थे. आज न दंगों का पता है, न दंगाइयों का. दंगाई गायब और दंगे भी गायब तो आम नागरिक तो सुरक्षित है लेकिन दंगाइयों के आका परेशान हैं, क्योंकि इसी से उनका रोजगार चलता था.

महाराष्ट्र के बुलढाणा में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर पथराव

महाराष्ट्र के बुलढाणा में बीती रात गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर पथराव की घटना सामने आई है. ये वारदात बीती रात करीब 10 बजे शहर के चौबारा भाग में हुई. बताया जा रहा है कि करीब आधे घंटे तक पथराव होता रहा, जिसमें कुछ युवक घायल हो गए. थानेदार नीचोल और पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया. यह वारदात रात के 10 बजे शहर के चौबारा भाग में हुई. जैसे ही क्षेत्र के गणेश मंडल विसर्जन जुलूस में शामिल हुए और जुलूस के आगे बढ़ रहे थे, अचानक पथराव शुरू हो गया. खबर है कि इस पथराव में कुछ युवक घायल हुए हैं. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक थोरात भी एसआरपी कुमक के साथ खामगांव से जलगांव पहुंच गये हैऔर समग्र स्थिति का जायजा ले रहे हैं.

बरेली में फिर आमने-सामने हिंदू-मुस्लिम

यूपी के बरेली में पिछले 24 घंटों में दो अलग-अलग जगहों पर सांप्रदायिक तनाव बढ़ा. दरअसल रविवार रात बारा बफात जुलूस को रोका गया. हिंदू पक्ष का कहना है कि सावन में इसी तरह कांवड़ यात्रा भी रोकी गई थी. इस विरोध को लेकर 11 घंटों तक हिंदू और मुसलमान समुदाय के लोग एक-दूसरे के सामने खड़े रहे.

हालांकि पुलिस ने मामला शांत करवाया. लेकिन जब ये सब हो रहा था.उसी वक्त एक दूसरे लोकेशन पर शनिदेव की प्रतिमा खंडित की गई, जिसका आरोप जुलूस में शामिल युवकों पर ही लग रहा है. सोमवार को बरेली में फिर बारा बफात जुलूस निकालने का मामला गरमा गया है. सड़क पर एक बार फिर भीड़ जुटने लगी है.

दो समुदायों के लोगों को एकत्र होते देख मौके पर भारी पुलिस बल मौजूद है. बारा बफात के जुलूस को लेकर देर रात दो समुदायों के लोग आमने-सामने आ गए थे. 12 घंटे की मशक्कत के बाद दोनों समुदाय के लोगों ने पुलिस ने सुबह घर भेज दिया था. एहतियातन मौके पर पुलिस के आला अधिकारी मौजूद हैं.

बरेली में रविवार रात बारावफात जुलूस को लेकर हंगामा हो रहा था. और वहां से थोड़ी ही दूरी पर हिंदुओं की आस्था को चोट पहुंचाने की तैयारी चल रही थी. एक तरफ बारावफात जुलूस को लेकर सांप्रदायिक तनाव बढ़ रहा था तो दूसरी तरफ कुछ उन्मादी शनि मंदिर को निशाना बना रहे थे.

बरेली में एक बार फिर नफरती साजिश के तहत सांप्रदायिक भावना भड़काने की कोशिश हुई.प्रतिमा को खंडित किया गया.सोची समझी साजिश के तहत बरेली को सांप्रदायिक आग में झोंकने की पूरी तैयारी की गई थी.

बरेली के इज्जत नगर थाना इलाके में सोमवार रात कुछ उन्मादी एक्टिव थे. जब प्रशासन की पूरी टीम बारावफात जुलूस में हुए हंगामे को शांत करने में जुटी थी तो कुछ शरारती तत्व बरेली की शांति व्यवस्था को भंग करने की साजिश करने में लगे थे.

देर रात जिस शनि मंदिर को नुकसान पहुंचाया गया, वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि बारावफात जुलूस में शामिल मुसलमान युवकों ने ही मंदिर को नुकसान पहुंचाया.मंदिर में तोड़फोड़ की घटना के बाद लोगों का गुस्सा भड़का. हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंचे. लोगों ने बार-बार इस तरह की घटनाओं को लेकर अपना आक्रोश जाहिर किया.

तरकारी भाजी में लगी आग, बिगड़ा रसोई का बजट

महंगाई का मानसून कनेक्शन. जी हां मानसून में बादल तो बरस रहे हैं लेकिन इन बरसते बादलों ने महंगाई भी बरसा दी है. बारिश की वजह से देश के कई राज्यों में सब्जियों की कीमत लगातार बढ़ रही है. जिसका असर अब आम जनता की थाली से लेकर जेब तक पड़ रहा है. सब्जी खरीदते वक्त मुफ्त मिलने वाला धनिया भी 500 रुपये किलो में बिक रही है. अहा टमाटर बड़ा मजेदार नहीं छोटा वाला टमाटर भी लोगों को लाल आंखें दिखा रहा है. प्याज भी महंगाई के आंसू रुला रही है. पिछले दो दिनों में सब्जियों के दाम में तेजी से इजाफा हुआ है.आसमान छू रहे सब्जी के दामसब्जियों के दाम रॉकेट की स्पीड से ऊपर गए हैं. लोगों के महीने का बजट बिगड़ गया है. सनडे मार्केट जैसे साप्ताहिक बाजारों में लोग सब्जी खरीदने से परहेज कर रहे हैं. दिल्ली की आजादपुर मंडी हो या ओखला की या फिर गाजीपुर मंडी थोक में सब्जियां लाकर पुटपाथ में सब्जियां बेचने वाले सब परेशान है. न मॉल में ऑफर मिल रहा है और ना सही माल मिल रहा है. ऐसे में लोगों में इस बात की भी चिंता बढ़ गई है कि भला सब्जियां नहीं खाएंगे तो शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की आपूर्ति कैसे होगी.

महंगे प्याज की वजह भी जानिए

सरकार ने मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस सीमा हटाई.
किसान विदेशों में महंगे दाम पर बेंच सकते है.
ज्यादा एक्सपोर्ट करने से देश में प्याज की कमी.
प्याज की नई फसल आने में लगेगा वक्त.
प्याज की कमी से भी दाम में इजाफा हुआ है.
मांग बढ़ने पर भी कीमतों में होता है इजाफा.
क्यों बढ़ रहे सब्जियों के दाम ?
बारिश बाढ़ से सब्जियां सड़ रहीं.
धूप न निकलने से फसल बर्बाद.
बारिश से उत्पादन पर पड़ा असर.
जगह-जगह सब्जी का गाड़ियां फंसी.
मंडियों में सप्लाई कम होना वजह.
महंगा डीजल भी महंगाई की वजह.

जहाजपुरा में फिर तनाव, गणेश उत्सव के दौरान पथराव के बाद अब शनि मंदिर की मूर्तियां तोड़ी, मचा बवाल

राजस्थान के जहाजपुर में गणेश उत्सव के दौरान धार्मिक जुलूस पर हुए पथराव से मचे बवाल की आग अभी ठंडी भी नहीं पड़ी थी कि इस बार ज्योतिष के हिसाब से कर्मफल दाता 'शनि' के मंदिर में जमकर तोड़फोड़ हुई. नवग्रह शनि मंदिर की मूर्तियां तोड़े जाने से इलाके में तनाव है. शनिभक्तों में नाराजगी दिख रही है. आपको बताते चलें कि कोटडी जहाजपुर रोड पर है शनि महाराज का वह मंदिर, जिसकी करीब आधा दर्जन मूर्तियों को तोड़ कर दूर फेंक दिया गया.शिव मंदिर के चबूतरे पर मांस का लोथड़ा, कौन है यहां के अमन-चैन का दुश्मन ?

जहाजपुर के शिव मंदिर के चबूतरे पर मांस का लोथड़ा मिलने की खबर आते ही लोगों की भीड़ जुटने लगी. मोहल्ले वालों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया. पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की. आपको बताते चलें कि जहाजपुर स्थित दर्जियों के मोहल्ले में जगत शरण मंदिर के पास शिव चबूतरे पर मांस का लोथड़ा मिलने की खबर जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैली थी. जिसके बाद जहाजपुर थाना प्रभारी मय जाप्ते के घटनास्थल पर पहुंचे और शिव चबूतरे पर पड़े मांस के लोथड़ों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू की. पहले गणेशजी अब शनि महाराज को बनाया निशाना

आपको बताते चलें कि अभी कुछ दिन पहले ही गणेश उत्सव के दौरान यहां का माहौल खराब करने की कोशिश की गई थी. बीते 10 दिनों से भीलवाड़ा सुर्खियों में बना हुआ है. यहां के जहाजपुर और शाहपुरा में दो ऐसी घटनाएं हुई थी जिससे शहर अभी उभर भी नहीं पाया और इसी बीच एक और नया विवाद सामने आ गया. इससे पहले जहाजपुर कस्बे में जलझूलनी एकादशी पर निकले जुलूस पर पथराव हुआ था, जिसके बाद विधायक गोपीचंद मीणा आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना दिया था. उस समय कस्बे के बाजार बंद करके भारी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा था, अब एक बार फिर वैसे ही हालात दिख रहे हैं.

ताज महल के रखरखाव को लेकर यूपी में तेज हुई सियासत, अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर उठाए सवाल

अखिलेश ने कुछ पॉइंटभी लिखे हैं

मुख्य गुंबद पर लगे कलश की धातु में ज़ंग लगने की आशंका है,
मुख्य गुंबद से पानी टपक रहा है,
गुंबद में पेड़ उग आने का समाचार सुर्ख़ियों में है। इन जैसे पेड़ों की जड़े अगर विकसित हुईं तो ताजमहल में दरारें आ सकती हैं,
ताजमहल का परिसर बंदरों के लिए अभयारण्य बन गया है,
ताजमहल परिसर में जलभराव की समस्या है,
पर्यटकों की परेशानी ये है कि वो ताजमहल निहारें या समस्याओं से निपटें। इन सब कारणों से दुनिया भर से आनेवाले पर्यटकों के बीच देश की छवि वैश्विक स्तर पर धूमिल होती है।

उत्तर प्रदेश के आगरा में यमुना नदी के तट पर स्थित ताज महल के रखरखाव को लेकर राज्य की सियासत तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रतिष्ठित ताज महल के खराब रखरखाव के लिए भारतीय जनता पार्टी सरकार की आलोचना की। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल मुगल स्मारक की खराब स्थिति को उजागर करने वाली एक मीडिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार और उसके निष्क्रिय विभाग ताज महल को बनाए रखने में पूरी तरह से विफल रहे हैं।

अपने एक्स पोस्ट में अखिलेश ने लिखा कि विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करनेवाले अजूबे 'ताजमहल' के रख-रखाव को लेकर भाजपा सरकार व उसके सुषुप्त निष्क्रिय विभाग पूरी तरह से नाकाम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार एक जीता-जागता सक्रिय उदाहरण होना चाहिए, कोई स्मारक भर नहीं।

एक सप्ताह पहले, ताज महल तब सुर्खियों में आया था जब 14 सितंबर को लगातार बारिश के कारण स्मारक के मुख्य गुंबद से पानी का रिसाव हुआ था, जिससे परिसर में एक बगीचा जलमग्न हो गया था। ताज महल परिसर में जलमग्न बगीचे का कथित वीडियो वायरल हो गया और पर्यटकों का ध्यान खींचा। हालांकि, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), आगरा सर्कल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मुख्य गुंबद में रिसाव के कारण रिसाव हुआ है और इसे कोई नुकसान नहीं हुआ है।

दिल्ली में आतिशी राज, मुख्यमंत्री के रूप में संभाली कमान, सभी मंत्रियों ने भी ली शपथ

अरविंद केजरीवाल के शीर्ष पद से इस्तीफा देने के बाद आतिशी ने शनिवार को राज निवास में एक समारोह के दौरान अपने नए मंत्रिपरिषद के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पार्टी द्वारा घोषित नई मंत्रिपरिषद में नए शामिल हुए सुल्तानपुर माजरा विधायक मुकेश अहलावत के अलावा मंत्री गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज और इमरान हुसैन शामिल हैं। आतिशी के सौरभ भारद्वाज ने मंत्री पद की शपथ ली। आतिशी दिवंगत सुषमा स्वराज और दिवंगत शीला दीक्षित के बाद देश की 17वीं और राष्ट्रीय राजधानी की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बनीं।

राय, गहलोत, भारद्वाज और हुसैन निवर्तमान केजरीवाल सरकार में मंत्री रहे हैं। आतिशी सरकार का कार्यकाल संक्षिप्त होगा क्योंकि दिल्ली में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। आम आदमी पार्टी (आप) ने एक अहम मोड़ पर आतिशी को शीर्ष पद प्रदान किया है, क्योंकि पार्टी अगले साल की शुरुआत में दिल्ली विधानसभा चुनाव में ना केवल सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है, बल्कि वह चाहती है कि दिल्ली सरकार जन कल्याण से जुड़े लंबित नीतियों और योजनाओं पर तेजी से काम करे। यह वजह है कि आतिशी को पद संभालने के बाद कड़ी मेहनत करनी होगी और मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना, इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2.0 और दहलीज पर सेवाओं की डिलीवरी जैसी अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए तेज गति से काम करना होगा।

सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन के इस्तीफे के बाद आतिशी, सौरभ भारद्वाज के साथ दिल्ली सरकार में शामिल हो गईं। आतिशी (43) ने केजरीवाल सरकार में वित्त, राजस्व, शिक्षा और लोक निर्माण विभाग सहित 13 प्रमुख विभागों का नेतृत्व करते हुए शामिल हुईं। आतिशी वर्ष 2013 में आप में शामिल हुईं और वह पर्दे के पीछे रहकर शिक्षा संबंधी नीतियों पर सरकार की सलाहकार के रूप में काम करती रहीं। लेकिन वर्ष 2019 में उन्होंने चुनावी राजनीति में कदम रखा, तब उन्होंने पूर्वी दिल्ली से भाजपा के गौतम गंभीर के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ा। लेकिन, वह यह चुनाव हार गईं। सक्रिय राजनीति में आने से पहले आतिशी ने अपना उपनाम मार्लेना, जो कि मार्क्स और लेनिन का प्रतीक था, हटा दिया था, क्योंकि वह चाहती थीं कि उनकी राजनीतिक संबद्धता को गलत

तरीके से नहीं समझा जाना चाहिए। वर्ष 2020 में आतिशी ने विधानसभा चुनाव लड़ा और कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक बनीं। आतिशी के माता-पिता विजय सिंह और तृप्ता वाही दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थे।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के बाबरपुर क्षेत्र से दो बार के विधायक गोपाल राय को मनोनीत मुख्यमंत्री आतिशी की अध्यक्षता वाली नयी मंत्रिपरिषद में बरकरार रखा गया है। राय पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के लंबे समय से सहयोगी हैं और आम आदमी पार्टी (आप) के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। 'आप' के पूर्वांचली चेहरे राय पूर्वी उत्तर प्रदेश के मऊ जिले से संबंध रखते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र के रूप में, वह भ्रष्टाचार और अपराध के मुद्दों पर छात्र राजनीति में सक्रिय थे और अभियान चलाते थे। उन्हें गोली लगी थी, जिससे उन्हें आंशिक पक्षाघात हो गया था। वह 2011 में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे और केजरीवाल के नेतृत्व में 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' आंदोलन में शामिल थे।

आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और ग्रेटर कैलाश सीट से तीन बार के विधायक सौरभ भारद्वाज को मनोनीत मुख्यमंत्री आतिशी की अध्यक्षता वाली नयी मंत्रिपरिषद में भी जगह मिली है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई करके राजनीति में आए भारद्वाज दिसंबर 2013 में 49 दिन की अरविंद केजरीवाल सरकार में परिवहन और पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री भी थे। भारद्वाज (44) को 'आप' का पुरजोर बचाव करने और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के तौर पर भाजपा पर तीखे हमले करने के लिए जाना जाता है। उनकी प्रसिद्धि का एक कारण 2017 में दिल्ली विधानसभा में 'डमी मशीन' के माध्यम से ईवीएम से छेड़छाड़ की संभावना को साबित करने की उनकी कोशिश भी है। साल 2020 के चुनावों में 'आप' की जीत के बाद केजरीवाल सरकार के तीसरे कार्यकाल में मार्च 2023 में वह फिर से मंत्री बने। वह केजरीवाल सरकार में स्वास्थ्य, शहरी विकास, पर्यटन, कला संस्कृति, उद्योग और बाढ़ नियंत्रण विभाग संभाल रहे थे।

अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली निवर्तमान कैबिनेट में शामिल कैलाश गहलोत को आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख का विश्वासपात्र कहा जाता है और वह आतिशी के साथ मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में शुमार थे। पचास वर्षीय विधायक गहलोत ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं और 'आप' के एक प्रमुख जाट नेता हैं, जिन्होंने 2015 और 2020 में दो बार नजफगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। उन्होंने 2015 में 1,555 मतों के मामूली अंतर से जीत हासिल की थी।

तिरुपति से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्या भी गए थे 1 लाख लड्डू, क्या उसमें भी मिला था बीफ फैट ?

आंध्रप्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर जाने वाले भक्तों के लिए एक बड़ी संवेदनशील खबर आई है. क्या आपने तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद की शुद्धता या गुणवत्ता में बदलाव महसूस किया है ? अगर आपका जवाब हां में है, तो फिर आपको हमारी ये रिपोर्ट जरूर पढ़नी चाहिए.

खबर ये है कि तिरुपति बालाजी मंदिर में हुआ है महापाप. तिरुपति बालाजी के भक्तों के साथ हुआ है सबसे बड़ा छल. आरोप है कि मंदिर में प्रसाद के रूप में जो लड्डू दिया जा रहा था, उसमें जानवरों की चर्बी से मिलाई गई थी. आरोपी है कि गाय के शुद्ध घी की जगह लड्डू बनाने के लिए जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किया जा रहा था. ये विस्फोटक खुलासा आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने किया है.

प्राण प्रतिष्ठा में भेजे गए थे 1 लाख लड्डू

हैरानी की बात ये है कि अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान 22 जनवरी को तिरुपति मंदिर से 1 लाख लड्डू भेजे गए थे. तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (ञ्ञष्ठ) ने ऐलान किया था कि वह राम मंदिर उद्घाटन समारोह के लिए 1 लाख लड्डू भेजेगा. अब सवाल उठ रहा है कि क्या ये भी मिलावटी लड्डू थे, जो राम मंदिर के भक्तों के लिए भेजे गए थे.धर्म स्थल श्रद्धा और शुद्धता की गारंटी होते हैं. ईश्वर की आराधना में श्रद्धा जरूरी है और भक्तों को मिलने वाली प्रसाद की शुद्धता जरूरी है. लेकिन तिरुपति बालाजी के भक्तों को प्रसाद के रूप में छल परोसा जा रहा है.

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति बालाजी मंदिर में मिलने वाले प्रसाद को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं. आरोप है कि जगन मोहन सरकार में तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बी मिलाई जाती थी.

तिरुपति बालाजी मंदिर में प्रसाद के रूप में एक लड्डू दिया जाता है. इस लड्डू को बनाने की एक खास विधि और निश्चित सामग्री होती है. लड्डू तैयार होने की मुख्य सामग्री है गाय का घी. आरोप है कि पिछली सरकार में इसकी जगह एनिमल फैट का इस्तेमाल किया गया. भक्तों का कहना है कि स्वाद और क्वालिटी खराब हो गई है. प्रसाद के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए. अगर ऐसा होता था तो अब नहीं हो चाहिए.

वैसे तो प्रसाद तैयार की पूरी विधि में शुद्धता और गुणवत्ता का पूरा ख्याल रखा जाता है. इसमें लड्डू का रॉ मटीरियल मशीनों के बेसिक इस्तेमाल से तैयार होती है. लेकिन लड्डू बनाने का काम, मुख्य रूप से मंदिर के ब्राह्मण पुजारी करते हैं. ये लोग अपने हाथों से लड्डू तैयार करते हैं. लड्डू बनाने के लिए हाथों का घी में डूबा रहना जरूरी है, इसलिए घी का ज्यादा इस्तेमाल होता है. आरोप है कि सारे खेल यहीं हुआ है.

टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड के पूर्व सदस्य ओवी रमण ने कहा, 'लड्डू में क्या पड़ता है ये बता रहे हैं. घी में टच करना रहता है. हाथ से लड्डू बनते हैं. पिछले 5 साल में घी में गड़बड़ हुई है. मिलावट से क्वालिटी पर असर पड़ा है.

तिरुपति बालाजी मंदिर, आंध्र प्रदेश ही नहीं, विश्वभर के हिंदूओं के लिए पूजनीय है. ऐसे में प्रसाद की शुद्धता से हुए खिलवाड़ ने राज्य की राजनीति को हिलाकर रख दिया है. प्रसाद में इस्तेमाल होने वाला घी, शुद्ध है, या फिर उसमें जानवरों की चर्बी मिलाई गई है, इसको लेकर एक जांच करवाई गई.

घी का जो सैंपल दिया गया था. उसकी जांच में मिलावट की बात सामने आई है. लेकिन एक सवाल ये है कि घी में मिलावट किस चीज़ की थी. ह्यष्ठष्ठक्र की रिपोर्ट में कही भी ये नहीं बताया गया है कि मिलावट किस चीज की है. लेकिन मिलावट किस चीज़ की हो सकती हैं, इसको लेकर कुछ चीजों पर शक जताया गया है. जैसे सोयाबीन, सूरजमुखी, ऑलिव, सफेद सरसों, अलसी, बिनौला, पाम ऑयल, मछली का तेल, जानवरों की चर्बी.

जिलाधिकारी ने एक करोड़ से ऊपर की परियोजना की समीक्षा बैठक

◆परियोजना लंबे समय से धन अभाव की कोई संभावना नहीं है : राकेश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जनपद में चल रहें एक करोड़ से ऊपर की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान जनपद में स्पेशल टास्क फोर्स कार्यालय भवन का निर्माण, अग्निशमन केंद्र, पनकी के प्रशासनिक भवन, हृदय रोग संस्थान में जी+3 भवन का निर्माण, आईटीआई कल्याणपुर एवं पांडु नगर में निर्माणाधीन आईटी लैब, 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, मौरंग मंडी आदि की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा की समस्त कार्यदायी संस्थाओं की प्रगति अत्यंत खराब है इन सभी संस्थाओं की बारी बारी से इनके समस्त कार्यो की रोज़ाना समीक्षा की जाए। उप्र राजकीय निर्माण निगम की दो परियोजना सामुदायिक स्वस्थ केंद्र बरीपाल एवं बिठुर का अलग से निरीक्षण कराये। सभी कार्येदायी संस्थाओं को ये निर्देश दिया गया कि उनकी जो भी परियोजना लंबे समय से धन अभाव या जिसमें धन मिलने की कोई संभावना नहीं है लेकिन पोर्टल पर लंबित दिख रही है उन्हें डिलीट कराये बाद मी धन मिलने के बाद उसको पोर्टल पर अपलोड करे। जिन कार्येदायी संस्थाओं ने सीएमआईएस पोर्टल पर अपनी परियोजना अपडेट नहीं करी है उन सभी का स्पष्टीकरण माँगा गया है। राज्य विद्युत उत्पादन निगम, उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण, एसटीपीआई द्वारा बिना पूर्व सूचना के बैठक में अनुस्पथित रहने के कारण तीनों का स्पष्टीकरण लेने के निर्देश जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को निर्देश दिए गए।जनपद में निर्माणाधीन योजनाएं जिनमें 100 त्न धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है किंतु कार्यदायी संस्था द्वारा कार्य की प्रगति धीमी गति से किया जा रहा है ऐसी समस्त कार्यदायी संस्थाओं का स्पष्टीकरण लेने के निर्देश जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को निर्देश दिए।जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में संचालित ऐसे परियोजनाएं जो धन आभाव के कारण रुकी हुई है उसके संबंध में शासन को पत्र भेजा जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी ईशा शर्मा, डी सी मनरेगा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड एवं डीसी मनरेगा समेत अन्य समस्त संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

ग्रीनपार्क स्टेडियम बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन, फूंका पुतला

बीपीएस न्यूज

कानपुर। ग्रीनपार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से खेले जाने वाले कानपुर-बांग्लादेश टेस्ट मैच का विरोध शुरू हो गया है। अखिल भारत हिंदू महासभा ने स्टेडियम के गेट के बाहर प्रदर्शन करते हुए कहा कि बांग्लादेश में तख्तापलट के दौरान हिंदुओं पर जो अत्याचार किए गए, उसे हम भूल नहीं सकते हैं। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने पुतला भी फूंका।

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणी महाराज ने कहा कि बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद खराब हुए हालात और हिन्दुओं के साथ हुई हिंसा को लेकर आक्रोश देखने को मिल रहा है और मिलेगा। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाड़ी भारत की धरती पर क्रिकेट मैच खेलेंगे, जिसका हिन्दू महासभा में कड़ा विरोध करता है। महासभा ने बीसीसीआई और क्रिकेट बोर्ड से जुड़े सभी अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि हमारे भाई-बहनों के साथ बांग्लादेश में दुराचार, हिंसा जैसी घटनाएं हुई, जिसे हम नहीं भूल सकते और शायद भारत में रहने वाला कोई भी हिन्दू इस हिंसा को भुलाकर ये मैच देखने नहीं जाएगा।

उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अनुपम ने कहा कि अगर कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितंबर को होने वाले मैच को रद्द नहीं किया गया तो सड़कों पर इस मैच और बांग्लादेशी खिलाड़ियों के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। हिन्दू महासभा के कानपुर जिलाध्यक्ष शैलेंद्र विश्वकर्मा ने जिम्मेदारी लेते हुए बड़े विरोध की चेतावनी दी।

चार लाख की चेक लेकर फरार, न हाल न कॉल ज्वैलर्स बना फुटबॉल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कल्यानपुर आवास विकास नं0-3 में सैनिक चौराहे के पास टी0एल0सी0 हास्पिटल के नाम से लूट करने वाले अंकित यादव, अंशुल यादव व कुलदीप सिंह ने चार लाख रूपये लेकर बनाया ज्वैलर्स को शिकार। शारदा नगर क्रासिंग के पास ज्वैलर्स शॉप चलाने वाले सचिन वर्मा से हास्पिटल को नई बिल्डिंग में शिफ्ट करने व ए0सी0 व कुछ इमरजेन्सी वार्ड के सामान के बहाने पार्टनरशिप का चकमा देकर अंकित यादव ने 4 लाख की चेक लेकर पूरी की पूरी रकम डकार ली है। अब न तो कॉल उठाकर बातचीत करता है और न ही व्हाट्सएप पर कोई जवाब देता है और न ही ढूढने पर मिलता भी नहीं है मगर लोगो से जानकारी के मुताबिक कल्यानपुर क्षेत्र व मंधना में अक्सर देखा जाता है। अंकित यादव का मोबाइल नं0-9336845871 है जो लगातार लोगो को ठगी का निशाना बना रहा है और मौजमस्ती और शानशौकत की जिन्दगी व्यतीत कर रहा है।

भारतीय सेना के लिए बहुत उपयोगी हैं जीआईएल के उत्पाद

-मास्टर जनरल ले.जनरल अमरदीप सिंह का ओपीएफ में दौरा, उत्पादों को सराहा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आयुध पैराशूट निर्माणी (ग्लाइडर्स इण्डिया लिमिटेड की इकाई) में शुक्रवार को उत्तम युद्ध सेवा मेडल, युद्ध सेवा मेडल, सेवा मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से विभूषित मास्टर जनरल आफ सस्टीनेंस (एमजीएस) ले.जनरल अमरदीप सिंह औजला ने दौरा किया और ओपीएफ के उत्पादों का अवलोकन किया। इस दौरान उनका भावपूर्ण स्वागत जीआईएल के सीएमडी वी.के. तिवारी, निदेशक (ओपी एंड एचआर) सुनील दाते तथा ओपीएफ के महाप्रबंधक एम.सी. बालासुब्रमणियम ने किया।

मास्टर जनरल आफ सस्टीनेंस (एमजीएस) ले.जनरल अमरदीप सिंह औजला ने निर्माणी प्रदर्शनी कक्ष एवं उत्पादनशालाओं में किये जा रहे कार्यों का अवलोकन किया और इस दौरान उन्होंने निर्माणी में बन रहे उत्पादों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि ओपीएफ में विजिट अत्यन्त सम्मान का विषय है।

ओपीएफ की उपलब्धियों और विशिष्ट योगदानों पर भारतीय सेना को गर्व है। उन्होंने जीआईएल (ओपीएफ) की टीम को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनायें भी व्यक्त कीं। इस अवसर पर महाप्रबंधक एचआर/जीआईएल एस.के. सिंह, संयुक्त महाप्रबंधक/जीआईएल बी.एल. मीना, संयुक्त महाप्र बंधक एस. बनर्जी, के.एस.चरक, विवेक गुप्ता, राम ज्ञान सिंह, के.के. टोप्पो व कार्य प्रबंधक रूपेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

ई-रिक्शा, आटो ने शहर में यातायात को बनाया मकड़जाल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। । शहर में ई-रिक्शा और ई-ऑटो ने पूरे शहर में भयानक जाम की स्थिति को पैदा कर दिया है। शहर में कोई भी रूट ई-रिक्शा और ई-ऑटो से खाली नही मिलेगा। चारो ओर इनकी धमाचौकडी देखने को मिल जाएगी। यातायात पुलिस भी इन्हें रोक पाने में असफल साबित हुई है, जिसके चलते वर्तमान समय में इन्ही इलेक्टिक वाहनो से जाम की स्थिति में कोढ़ में खाज का काम किया है। एआरटीओ प्रशासन आलोक कुमार सिंह ने बताया कि संभागीय परिवहन विभाग में लगभग 41 हजार इलेक्टिक वाहन रजिस्टर्ड है। पर्यावरण को शुद्ध रखने के उद्देश्य से सरकार ने इलेक्टिक वाहनो को सडको पर उतारा ,लेकिन इसका परिणाम भयानक जाम में बदल जाएगा ऐसा किसी ने भी नही सोचा था। इलेक्टिक वाहनो के साथ निजी और कमार्शियल वाहन भी सड़क पर दौड़ रहे है जिनसे अब शहर की सड़को पर केवल वाहन ही रेंगते नजर आ रहे है। एआरटीओ प्रशासन आलोक कुमार सिंह ने बताया कि ईवी वाहनो के बढ़ते क्रेज ने जहां पार्यावरण को राहत देने का काम किया है तो वहीं जाम को बढ़ावा देने में भी कोई कोर कसर नही छोडी है।

- ईवी के नही है कोई मानक

सड़को पर बेखौफ दौड़ते ईवी (इलेक्टिक वाहन) के लिए कोई मानक तय नही है। इलेक्टिक वाहनो को सरकार ने टैक्स फ्री कर रखा तो वही

इनके रूट का कोई मानक तय नही है। इसके साथ ही इलेक्टिक वाहनो के लिए परमिट की भी आवश्यकता नही है। इन सभी कारणो से ईवी वाहनो की संख्या शहर में बढ़ रही है जिससे यातायात भी काफी प्रभावित हो रहा है।

- ई-रिक्शा बना माल ढुलाई वाहन

सरकार ने बेरोजगारो को रोजगार देने व पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से ईवी इलेक्टिक वाहन को लांच किया ताकि बेराजगारो को रोजगार मिल सके, लेकिन ई-रिक्शा चालक सवारियां बैठाने के बजाए माल ढुलाई का काम कर रहे है जो कि कमार्शियल की श्रेणी में आता है। ऐसे वाहनो को देख कर न तो यातायात विभाग कोई कार्यवाही करता है और न ही आरटीओ का प्रवर्तन विभाग ही। अब ऐसे में दुर्घटनाएं होने की आशंका भी बनी रहती है।

फोम फैक्ट्री में लगी आग 7 मजदूर झुलसे, 2 की हालत गंभीर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना रनिया क्षेत्र की आर पी पोलिपेक फैक्ट्री में संदिग्ध परिस्थितियों में फोम फैक्ट्री में लगी आग से 7 मजदूर झुलसे, 2 की हालत गंभीर, सूचना पर पुलिस व अग्निशमनकर्मियों ने आग पर पाया काबू, मौके पर डीएम एसपी समेत जिले के आलाधिकारी मौके पर मौजूद, जिला प्रशासन ने फैक्ट्री में अंदर जाने पर लगाया प्रतिबंध, मजदूरों के परिजनों ने फैक्ट्री के बाहर काटा हंगामा, पुलिस और प्रशासन के अधिकारी परिजनों को समझाने में जुटे, परिजनों ने 4 से 5 मजदूरों के फसे होने की जताई आशंका, फैक्ट्री बिना मानक हो रही थी संचालित, फायर के मानक नही किये गए थे पूरे, थाना रनिया क्षेत्र की आर पी पोलिपेक फैक्ट्री का मामला ।

जागरूकता ही कर सकती है एड्स से बचाव: डॉ. एमपी सिंह

बीपीएस न्यूज

कानपुर। एचआईवी यानी की एड्स की बीमारी अब दिनो दिन लोगो में बढ़ती जा रही है। चिकित्सको द्वारा जागरूक करने के बावजूद भी इस खतरनाक बीमारी का अनुपात बढ़ा ही है। एड्स की बीमारी बढ़ने और कारण के बारे में नोडल अधिकारी व मेडिसन विभाग के प्रो0 डॉ एम पी सिंह ने जानकारी दी।

नोडल अधिकारी डॉ एम पी सिंह ने बताया कि एड्स की बीमारी पार्टनर के अलावा किसी अन्य से असुरक्षित सेक्स करने से भी होता है यह तो आम बात है, लेकिन कुछ ऐसे भी कारण है जो बिना सेक्स किए लोग भी इसका शिकार हो जाते है। अन्य कारणो में जैसे बाल कटवाते समय या दाढ़ी बनवाते समय ब्लेड का न बबदलना या फिर उस्तरे को साफ न करना, निडिल का पुन: इस्तेमाल करना या किसी का रक्त निकालते समय निडिल का अंगुली में चुभ जाने से भी एड्स की बीमारी का शिकर होने की पूरी संभावना रहती है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन एक से दो मरीज एड्स ओपीडी में आ रहे है जिनका अनुपात प्रतिमाह 50 से 60 मरीज लगभग है। वही इसका असर महिलाओ में कम तो पुरूषो में ज्यादा देखने को मिल रहा है। 15 से 60 वर्ष तक की आयु के लोगो में एड्स यानी एचआईवी संक्रामण पाया जा रहा है।

एड्स (एक्वायर्ड इम्युनो डेफ़िशिएंसी सिंड्रोम) एक संक्रामक बीमारी है जो एचआईवी (ह्यूमन इम्यूनोडेफ़िशिएंसी वायरस) से फैलती है. एचआईवी एक अतिसूक्ष्म रोग विषाणु है। एड्स होने के कुछ कारण ये प्रमुख कारण है- असुरक्षित यौन संबंध बनाना जिससे एचआईवी सबसे ज़्यादा संक्रमित साथी के साथ यौन संपर्क से फैलता है। एचआईवी संक्रमित रक्त के संपर्क में आने से भी एचआईवी फैल सकता है। हालांकि रक्त की जांच के कारण, रक्त आधान से एचआईवी होने का जोखिम बहुत कम होता है। नशीली दवाओं का इस्तेमाल, नशीली दवाओं के इंजेक्शन के लिए सुई या सिरिंज साझा करने से एचआईवी फैल सकता है। यौन रोगों से पीड़ित व्यक्ति को भी एचआईवी हो सकता है साथ ही गर्भावस्था और प्रसव एचआईवी संक्रमित मां से बच्चे के जन्म से पहले, प्रसव के समय, या प्रसव के बाद भी संक्रमण हो सकता है।

कभी-कभी जब आप पहली बार एचआईवी से संक्रमित होते हैं तो आपको फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। जैसे बुखार, ठंड लगना, थकान, गला खराब होना, मांसपेशियों में दर्द, रात का पसीना, खरोंच, सूजी हुई लिम्फ नोड्स व मुँह के छाले जैसे लक्षण होते है।

एचआईवी का इलाज खाने वाली दवाओं से किया जाता है। गोलियों के इस संयोजन को एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी (एआरटी) कहा जाता है। एचआईवी को बढ़ने और आपकी कोशिकाओं को नष्ट होने से रोकने के लिए सिर्फ़ एक के बजाय कई तरह की गोलियाँ लेना सबसे प्रभावी तरीका माना गया है। ऐसी गोलियाँ भी हैं जिनमें एक ही गोली में कई दवाएँ होती हैं।

भाजपाइयों ने झाड़ू लगा कर दिया स्वच्छता का संदेश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा चला रही है। इसके अंतर्गत रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, प्रदर्शनी एवं स्वच्छता अभियान शामिल है। शनिवार को भी भाजपा दक्षिण जिले के कई जगहों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। व सफाई कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया सीटीआई चौराहा गोबिन्द नगर के पास स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के आसपास सुबह लगभग 8 बजे नहर किनारे भाजपाइयों ने बड़े-बड़े झाड़ू हाथों में थाम कर लगभग 100 मीटर के दायरे में झाड़ू लगाई और कूड़े को एक जगह इकट्ठा कर उन्हें हाथ पूरा गाड़ियों में भरकर डंपिंग स्थल तक ले गए।

छात्र-छात्राओं के मध्य कराया निबंध, कहानी एवं चित्रकारी प्रतियोगिता

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि बच्चों में प्रतिस्पर्धा शारीरिक, सामाजिक और संज्ञानात्मक कौशल के विकास में योगदान करती है, और आनंददायक और मनोरंजक होती है ।यह बच्चों को संसाधन आवंटन और निर्णय लेने के बारे में सीखने के अवसर भी प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि राज्यपाल/कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के दिशा निर्देशों के क्रम में अयोध्या सिंह सार्वजनिक इंटर कॉलेज काशीपुर में युवाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव विषय पर निबंध, आज़ादी का अमृत महोत्सव पर कहानी लेखन व स्वच्छ भारत मिशन पर चित्रकारी प्रतियोगिता कक्षा 11 व 12 के छात्र छात्राओं मे व स्वच्छ भारत, स्वच्छ गांव सुंदर गांव पर चित्रकारी, भारतीय त्योहार व उसके प्रभाव पर कहानी, व महिला सशक्तिकरण पर निबंध 9-10 कक्षा के छात्र छात्राओ के साथ आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि चित्रकारी में झाड़ू लगाती हुई महिला की तस्वीर बना कर सपना सिंह कक्षा 10 ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि निबंध में कक्षा 12 की मानसी ने सोशल मीडिया का उपयोग लत बन सकता है और इसके परिणाम किसी भी अन्य लत की तरह ही हो सकते हैं लिख कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि इशिता सिंह ने कहानी में प्रथम स्थान पाया। कार्यक्रम में सभी प्रतियोगिता के प्रथम तीन विजेताओं को क्रमश: प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किये गए7 कार्यक्रम में मुख्य रुप से डॉ मिथिलेश वर्मा, डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत व डॉ निमिषा अवस्थी रहे ।कार्यक्रम में विद्यालय में 100 से अधिक बच्चो के साथ विद्यालय के प्रधानाचार्य हरनाम सिंह गौर व समस्त अध्यापक उपस्थित रहे।

सीएसजेएमयू ने रुस की फॉर ईस्टर्न फेडरल विवि के साथ किया एमओयू साइन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के कुशल नेतृत्व में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं अकादमिक सहयोग प्रकोष्ठ के निरंतर प्रयासों से रूस के एक और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय फॉर ईस्टर्न फेडरल विवि के साथ एमओयू साइन किया गया है।

कज़ाख़स्तान में हुए एक अकादमिक कार्यक्रम में सीएसजेएमयू के डीन, इंटरनैशनल रिलेशन और अकादमिक कॉपरेशन सेल प्रो सुधांशु पांड्या एवं कुलसचिव डॉ अनिल कुमार यादव तथा डॉ संदेश गुप्ता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। दोनो देशों के अधिकारियों ने अपने संयुक्त बयान में बताया है कि इस एमओयू के तहत हायर एजुकेशन में रिसर्च और अकादमिक डिवलेपमेंट में स्टूडेंट्स साथ मिलकर कार्य करेंगे। इंटरनैशनल रिलेशन और अकादमिक कॉपरेशन सेल, सीएसजेएमयू के डीन प्रो सुधांशु पांड्या ने बताया कि रूस की फॉर ईस्टर्न फेडरल विवि वहां के अग्रणी विश्वविद्यालय में से एक है जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा भी है। विवि की ओर से सेलेजनेव टिम असोसिएट प्रोफेसर एवं अंतरराष्ट्रीय विभाग के समन्वय ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। कुलसचिव डॉ अनिल कुमार यादव ने छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों में की जा रही रिसर्च और संचालित विविध कोर्सो के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर दोनो विश्वविद्यालयों की ओर से हस्ताक्षरित एमओयू की प्रतियां दिखा कर एमओयू की घोषणा की गई। विवि ने इससे पहले रूस की पेटोजावोडेस्क स्टेट विश्वविद्यालय के साथ अपना पहला एमओयू साइन किया था। इस अवसर पर कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने भारत और रूस के पुरातन संबंधों का जिक्र करते हुए बताया कि इस एमओयू के होने से दोनों देशों विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राएं लेक्चर सीरीज, संयुक्त रिसर्च प्रोग्राम, फैकल्टी एक्चेंज प्रोग्राम, स्टूडेन्ट्स एक्सचेंज प्रोगाम आदि विषयों पर पढ़ाई के साथ-साथ रिसर्च भी कर सकते है।

फ्लैट बेचने की शर्तों में खेल करने वाले बिल्डरों पर होगी कार्रवाई, रेरा ने दी चेतावनी

कानपुर। उत्तर प्रदेश में फ्लैट, जमीन या विला की खरीद फरोख्त के लिए जरूरी एग्रीमेंट फॉर सेल में बिल्डर खेल कर रहे हैं। आवंटियों को कब्जा देने के लिए किए जा रहे एग्रीमेंट में नियम विरुद्ध शर्तें शामिल कर रहे हैं। इस तरह की बढ़ती शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए रेरा (रीयल इस्टेट विनियामक प्राधिकरण) के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने प्रोमोटरों को चेतावनी दी है ।रियल एस्टेट परियोजना के आवंटियों ने यूपी रेरा से शिकायतें की हैं, जिनमें प्रोमोटर द्वारा इकाई का कब्जा देने के लिए एग्रीमेंट फॉर सेल से अलग नियम विरुद्ध और भविष्य में उनके विधिक अधिकारों का उपयोग नहीं करने की शर्तों वाले एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर के लिए बाध्य किया जा रहा है। प्राधिकरण द्वारा ऐसे प्रोमोटर्स के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेने की तैयारी की जा रही है, जिससे आवंटियों के अधिकारों व हितों की रक्षा की जा सके।

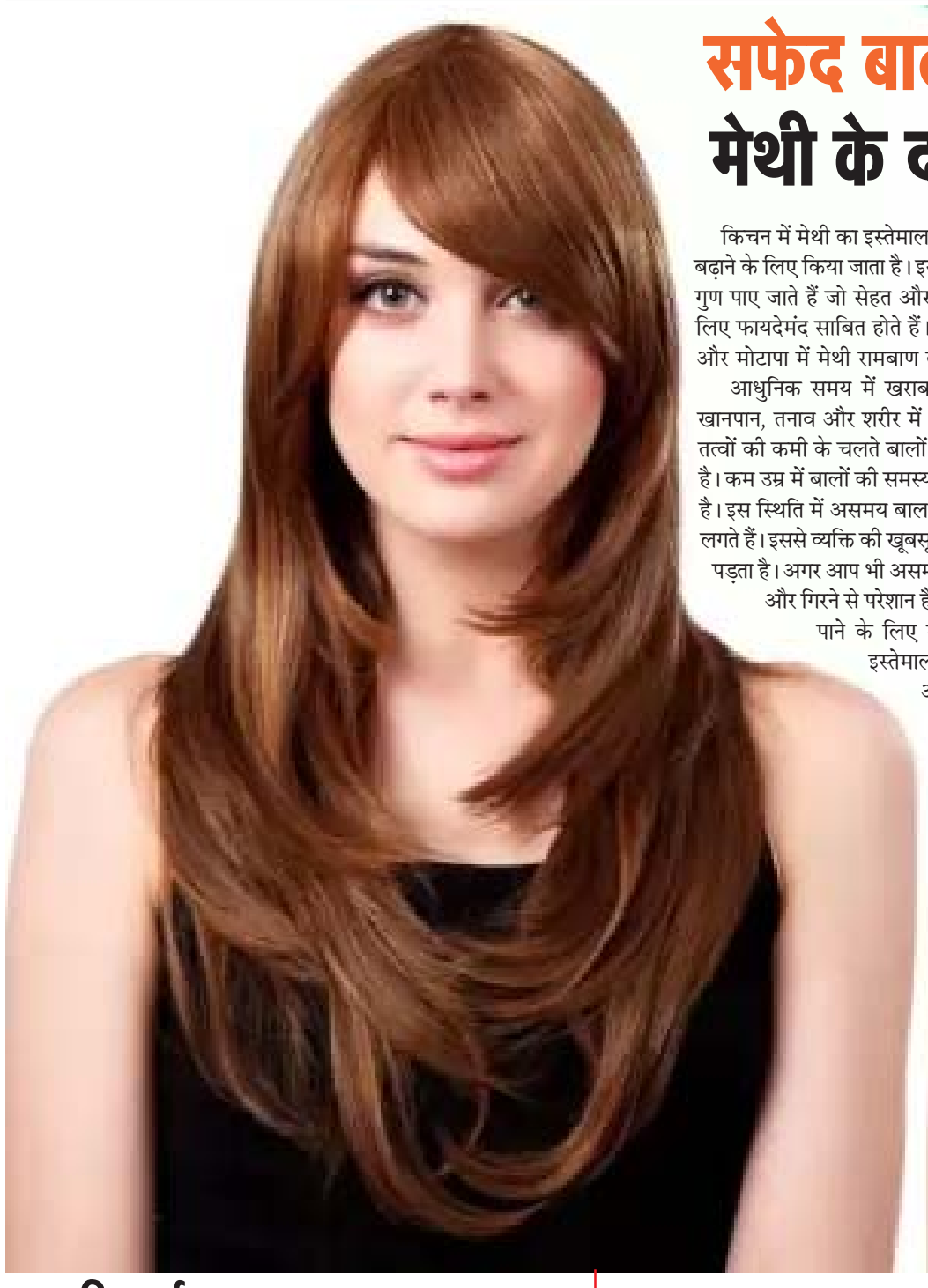

सफेद बालों की समस्या को दूर करने में कारगर साबित होते हैं मेथी के दाने

किचन में मेथी का इस्तेमाल जायके का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं जो सेहत और सुंदरता दोनों के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। खासकर मधुमेह और मोटापा में मेथी रामबाण दवा है।

आधुनिक समय में खराब दिनचर्या, गलत खानपान, तनाव और शरीर में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी के चलते बालों की समस्या होती है। कम उम्र में बालों की समस्या चिंता का विषय है। इस स्थिति में असमय बाल पकने और गिरने लगते हैं। इससे व्यक्ति की खूबसूरती पर बैड इंपैक्ट पड़ता है। अगर आप भी असमय बालों के पकने और गिरने से परेशान हैं, तो इससे निजात पाने के लिए मेथी के दाने का इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए, इस्तेमाल करने के तरीके जानते हैं–

मेथी क्या है?

किचन में मेथी का इस्तेमाल जायके का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं, जो सेहत और सुंदरता दोनों के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। खासकर, मधुमेह और मोटापा में मेथी रामबाण दवा है। इसके अलावा, असमय बालों के पकने और गिरने की समस्या भी दूर होती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो मेथी में घुलनशील फाइबर पाया जाता है, जो कार्बोहाइड्रेट के अवशोषण प्रक्रिया को धीमा करने में मदद करते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

–बालों की समस्या को दूर करने के लिए रात में सोने से पहले एक गिलास पानी में एक मुट्ठी मेथी के दाने को भिगोकर रख दें। अगली सुबह को पानी को पी लें। वहीं मेथी के दाने को पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। अब पेस्ट को बालों के स्कैल्प में अच्छी तरह लगाएं। जब सुख जाए, तो नार्मल पानी से बालों को धो लें।

अगर आप बालों पर पेस्ट नहीं लगाना चाहते हैं, तो मेथी के दाने और गुड़ का सेवन करें। इससे भी बालों की समस्या से निजात मिलता है।–इसके अलावा, मेथी के दाने को अच्छी तरह पीसकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इसमें नींबू का रस मिलाकर अच्छी तरह से मिलाएं। जब पेस्ट तैयार हो जाए, तो बालों में लगाएं। इस उपाय को करने से भी बालों की समस्या से निजात मिलता है।

पर्सनल लाइफ को ऐसे प्रभावित कर रहा है वर्क फ्रॉम होम

एक तरफ कई फायदे हैं आपको अपने परिवार के साथ समय बिताने का काफी समय मिल जाता है आप घूमने का प्लान कर सकते हैं लेकिन साथ ही यह आपके शरीर के साथ दिमाग़ी सेहत पर बुरा असर भी डालता है।कोविड–19 महामारी से हम सभी ज़िंदगी हर मायने में बदल कर रख दी है। फिर चाहे सेहत हो, पैसा, निजी ज़िंदगी या फिर प्रोफेशनल। महामारी ने एक चीज़ जो बड़े तरीके से बदली है वो है हमारी प्रोफेशनल लाइफ। कोरोना वायरस के तेज़ी से फैलने की वजह से ज़्यादातर कंपनियों ने ड्ढस्न॥ शुरू कर दिया ताकि उनके कर्मचारी सुरक्षित रहें और कंपनी के काम पर भी असर न पड़े।जर्नल ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, कोरोना वायरस महामारी के दौरान कहीं और से काम करने और वीडियो कॉन्फ्रेंस के उपयोग में काफी वृद्धि हुई, जिसका असर हमारी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा असर पड़ता है। लोग ज़्यादा थकावट महसूस करने के साथ तनावग्रस्त भी हो गए हैं। लगातार हो रहीं वीडियो और ऑडियो मीटिंग, ऑफिस का काम ख़त्म करने के लिए लगातार ऑनलाइन रहने की ज़रूरत का असर सबके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। लोग इसकी वजह से ज़्यादा कमज़ोरी और तनाव महसूस करते हैं।पिछले दो सालों में घर से काम करने की वजह से हमारी निजी ज़िंदगी और प्रोफेशनल लाइफ के बीच की लाइन मिट गई है। कोरोना वायरस महामारी से पहले हम ऑफिस का काम निपटाने के बाद घर वापस जाते वक्त या फिर दोस्तों से मिलकर ऑफिस के प्रेशर को भुला देते थे। हालांकि, अब वायरस से संक्रमित होने के डर की वजह से यह ऑप्शन आसानी से नहीं मिलता।साथ ही कई लोगों के पास घर पर काम करने की अलग जगह बना पाना मुमकिन नहीं होता। एक ऐसी जगह जहां वह निजता के साथ एक अलग कमरे में काम कर सकें, ताकि घर के कामों से दूर रहें और काम के समय उसी पर फोकस बनाएं रखें। ऑफिस के काम के साथ घर का काम करने से तनाव और बेचैनी बढ़ती है।वर्क फ्रॉम होम और महामारी के कारण घर से बाहर ज़्यादा जाना नहीं होता, इसलिए हम सभी का ज़्यादातर वक्त स्वेटपैन्ट्स और ट्रेक पैंट्स में ही गुज़रता है। हालांकि, साथ ही ज़रूरत से ज़्यादा खा लेने से हमारी हेल्थ पर भी असर पड़ता है। घर पर आपकी पसंदीदा चीज़ें आसानी से उपलब्ध होती हैं।

सिर्फ 1 प्याज दूर कर सकता है आपकी रोजमर्रा की ये 3 परेशानियां

किचन में इस्तेमाल होने वाले कई चीजों में से प्याज एक ऐसी चीज है जिसका इस्तेमाल सब्जी में बहुत किया जाता है। खासकर ग्रेवी वाली सब्जी में अगर प्याज नहीं डाला जाता है तो फिर सब्जी का टेस्ट बेकार ही लगता है। चिकन या मटन में प्याज का खूब इस्तेमाल होता है। लेकिन अगर आपसे यह सवाल किया जाए कि क्या आपने भोजन में इस्तेमाल करने के अलावा भी प्याज का अन्य इस्तेमाल किया है? अगर नहीं तो फिर आपको इस आर्टिकल को ज़रूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि इस लेख में हम आपको कुछ टिप्स एंड हैक्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके आप किचन, बाथरूम की परेशानी को दूर कर सकते हैं और पौधे का भी ख्याल रख सकते हैं। आइए जानते हैं।

ड्रेन फ्लाई की समस्या करें दूर

अच्छा अगर आपसे यह सवाल किया जाए कि किचन में सबसे अधिक कीड़े कहा लगते हैं तो फिर आप जवाब क्या हो सकता है? खैर, आपकी जानकारी के लिए बता दें कि किचन सिंक के ऊपर कीड़े उड़ते रहते हैं। ऐसे में सिंक के आसपास कीड़े उड़ते रहते हैं तो उसे भगाने के लिए प्याज का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए फॉलो करें ये स्टेप्स–

इसके लिए सबसे पहले प्याज को बारीक़ काट लें।

अब प्याज और एक कप पानी को मिक्सर में डालकर महीन पीस लीजिए।इसके बाद इसे छानकर बोतल में भर लें और सिंक पर अच्छे से छिड़काव कर लें।इस प्रक्रिया को सप्ताह में लगभग दो से तीन बार करें। इससे ड्रेन फ्लाई की समस्या दूर हो सकती हैं।

नोट– मिश्रण में आप प्याज का पाउडर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

डायबिटीज़ है और वज़न घटाना चाह रहे हैं? तो ये अपनाए यह उपाय

भारत में डायबिटीज़ के बेहद आम बीमारी बन गई है। कई लोगों में डायबिटीज़ जन्म के साथ देखी जाती है, तो कई लोगों में यह खराब लाइफस्टाइल और डाइट के चलते विकसित हो जाती है। डायबिटीज़ के पीछे मोटापा भी एक कारण हो सकता है। दूसरी तरफ डायबिटीज़ की वजह से भी मोटापा हो सकता है। डायबिटीज़ की वजह से व्यक्ति की रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर भी असर पड़ता है। डायबिटीज़ का इलाज भले ही संभव नहीं है लेकिन सही डाइट और वर्कआउट की मदद से इसे कंट्रोल में रखा जा सकता है। वहीं, अगर आप डायबेटिक हैं और वज़न घटाना चाह रहे हैं, तो कुछ बातों का ध्यान रखना ज़रूरी हो जाता है।

1. शुरुआत धीरे-धीरे करें

यह सिद्ध हो चुका है कि डायबिटीज़ दिल के साथ आपकी पूरी सेहत को प्रभावित करती है। इसलिए एक्सरसाइज़ की शुरुआत धीरे-धीरे करें। साथ ही अचानक डाइट में कई बदलाव भी नहीं कर देने चाहिए।

2. मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें

वज़न घटाने की कोशिश में फिज़िकल के साथ मानसिक तौर पर भी मज़बूती चाहिए होती है। अगर आप डायबेटिक हैं और मोटापे के शिकार भी, तो बेहतर है कि वज़न कम करने के लिए प्रोफेशनल मदद लें।

3. एक्सरसाइज़

ज़ाहिर है अगर आप वज़न कम करना चाहते हैं, तो आपको हफ़्ते में 5 दिन वर्कआउट करना ही होगा।

4. सोच समझकर खाएं

वर्कआउट रूटीन जितना ज़रूरी होता है उतनी ही डाइट भी ज़रूरी होती है। अगर आपको डायबिटीज़ है और आप वज़न कम करने की कोशिश में लगे हैं, तो आपको सोच समझकर ही खाना चाहिए।

खुद को झोंकना नहीं है

वज़न घटाने के सफर में आपको रोज़ाना वर्कआउट करने के साथ अपनी स्पीड को धीरे-धीरे बढ़ाना है। ज़रूरत से ज़्यादा वर्कआउट फायदा करने की जगहआपको नुकसान पहुंचा सकता है।

2. खाना स्किप न करें

कैलोरी को कंट्रोल करने के लिए लोग अक्सर मील छोड़ देते हैं, जो बेहद अनहेल्दी है। डायबिटीज़ में तीनों मील लेना ज़रूरी है।

3. कार्ब्स न छोड़ें

खाने के साथ कार्ब्स का सेवन भी ज़रूरी है। फाइबर को ज़्यादा ज़रूरी नहीं माना जाता, लेकिन यह गलत है। डायबिटीज़ में अनाज और फाइबर से भरपूर डाइट लेने की सलाह दी जाती है।

4. इंटरमिटेंट फास्टिंग न करें

इंटरमिटेंट फास्टिंग डायबिटीज़ के मरीज़ों के लिए सही नहीं होती। लंबे समय तक कुछ न खाने से आपके इंसुलिन और ब्लड शुगर के स्तर पर असर पड़ सकता है। इसके जगह आप ष्ठ्रस्॥ या फिर मेडेटेरियनिन डाइट ले सकते हैं।

6. प्रोसेस्ड और जंक फूड न खाएं

जंक, प्रोसेस्ड, डिब्बा बंद और इसी तरह के अनहेल्दी फूड्स से दूरी बनाए रखना ज़रूरी है। यह सभी फूड्स ट्रांस फैट्स, सैचुरेटेड फैट्स और सोडियम से भरपूर होते हैं, जो डायबिटीज़ में गंभीर नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं।

व्यक्ति की रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर भी असर पड़ता है। डायबिटीज़ का इलाज भले ही संभव नहीं है लेकिन सही डाइट और वर्कआउट की मदद से इसे कंट्रोल में रखा जा सकता है।

बरसात में नहीं होगी दाढ़ी में खुजली की दिक्कत, अगर अपनाएंगे ये आसान टिप्स

मानसून मौसम को ठंडा करने के साथ आपके दिल को भी खुश ज़रूर कर देता है, लेकिन इसके साथ कई दिक्कते भी आती हैं। उमस, सड़कों पर कीचड़ और लगातार गीलापन। साथ ही बारिश का मौसम बालों को फ्रिज़ी बना देता है। ऐसे में पुरुषों के लिए अपनी दाढ़ी का ख्याल रखना भी ज़रूरी हो जाता है। आइए जानें कि मानसून में दाढ़ी की ख्याल कैसे रखा जा सकता है।

बारिश का मौसम आते ही साथ आती है उमस। जिससे स्किन से जुड़ी कई दिक्कतें शुरू हो जाती हैं। बालों में ज़्यादा पसीना आने से खुजली बंद नहीं होती। ऐसी ही दिक्कत पुरुषों को दाढ़ी के साथ भी आती है।

दाढ़ी की नियमित ट्रिमिंग करें

बरसात के समय बाल फ्रिज़ी हो जाते हैं। इसलिए जैसे पानी बरसना शुरू हो अपनी दाढ़ी को नियमित रूप से ट्रिम करना शुरू कर दें। इससे आपकी दाढ़ी के एंड्स हेल्दी रहेंगे, फ्रिज़ कम होगा और आपका लुक बना रहेगा।

बियर्ड ऑयल का इस्तेमाल करें

अगर आपको ऐसा लग रहा है कि बियर्ड ऑयल इस उमस में आपकी दाढ़ी को चिपचिपा बना देगा, तो आप गलत हैं! बियर्ड ऑयल पोषण और हाइड्रेशन देता है जिससे दाढ़ी की ग्रोथ बढ़ती है। साथ ही इससे आपके लिए दाढ़ी को स्टाइल करना आसान भी हो जाएगा।

दाढ़ी को साफ रखें

आपकी दाढ़ी के नीचे की त्वचा में बहुत सारा तेल और सीबम फंस सकता है। अगर इसे ज़्यादा देर के लिए छोड़ दिया जाए, तो इससे खुजली, चकत्ते और यहां तक कि एक्ने जैसी समस्या शुरू हो सकती है।

दाढ़ी को ड्राई रखें

दाढ़ी की साफ–सफाई जितनी ज़रूरी है, उतना ही ज़रूरी है कि इसे अनावश्यक नमी से बचाना, ताकि आपकी दाढ़ी लंबे समय तक हेल्दी और मज़बूत रहे।

डाइट सही रखें

हमारी सेहत, दिमाग, स्किन और यहां तक कि हेल्दी बालों के लिए भी सही भोजन ज़रूरी होता है। बालों को ग्रोथ के लिए सही पोषण की ज़रूरत पड़ती है।

कंफर्टेबल रहते हुए

ऑफिस में स्टाइलिश नजर आने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप वर्किंग लेडी हैं तो आपको पता ही होगा ऑफिस में अच्छा दिखने के साथ कंफर्टेबल रहना भी कितना जरूरी है। तो इसके लिए किस तरह के कपड़े पहनें और क्या चीज़ें हैं जरूरी आइए जानते हैं यहां।

ऑफिस में कैजुअल लुक आपके कैजुअल बिहेवियर को भी दर्शाता है वहीं प्रोफेशनल लुक आपके सीरियनेस को। तो इस बात पर गौर करें। तो किसी एक दिन ऐसा लुक कैरी करने में कोई दिक्कत नहीं लेकिन हफ़्ते के पांच दिनों अगर आप कैजुअल वेयर्स में ऑफिस जा रहे हैं तो ये सही नहीं।

साइज और कंफर्ट का रखें ध्यान

परफेक्ट फिटिंग और कंफर्ट के बीच सही बैलेंस होना बेहद जरूरी है। अच्छी फिटिंग वाले कपड़े आपको प्रेजेंटेबल बनाते ह

वहीं बहुत तंग कपड़े अनकंफर्टेबल रखते हैं। तो ऑफिस के लिए हमेशा ऐसे कपड़े चुनें जिन्हें पहनकर आप आराम से बैठ और काम कर सकें। बॉडी टाइप के अनुसार कपड़े पहनने से आप कंफर्टेबल और कॉन्फिडेंट दोनों रहते हैं। कभी भी देखादेखी किसी ट्रेंड को फॉलो न करें ज़्योंकि जरूरी नहीं वो आप पर सूट करें और आप उसमें कंफर्टेबल रहें।

. कपड़ों से झलकें आपका आत्मविश्वास

कॉन्फिडेंट व्यक्ति लोगों को हमेशा ही अट्रैक्ट करता है तो ऑफिस के लिए हमेशा ऐसे कपड़ें चुनें जिन्हें पहनकर आप कॉन्फिडेंट फील करती हों, फिर चाहे वो जींस-शर्ट हो, सूट या फिर साड़ी। अगर कलर या फैब्रिक में भी किसी तरह की खास च्वॉइस है तो उसे प्रियोरिटी दें ज़्योंकि कहीं न कहीं कॉन्फिडेंस का असर आपके काम पर भी पड़ता है।

फुटवेयर पर भी करें फोकस

ज्यादातर महिलाओं का फोकस कपड़ों पर ही रहता है। फुटवेयर्स चुनने में वो ब्रांड और क्वॉलिटी पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देती जो बहुत ही गलत आदत है।

कपड़ों का कंफर्टेबल होना जितना जरूरी है उतना ही फुटवेयर्स का भी। एक स्टडी के मुताबिक, ज्यादातर लोग सबसे पहले आपके फुटवेयर्स को नोटिस करते हैं न कि कपड़ों को, तो इस बात का ध्यान रखें। अच्छी क्वॉलिटी का कोई एक ऐसा फुटवेयर खरीद लें जो ज्यादातर कपड़ों के साथ आसानी से मैच किया जा सके।

बिगड़ती कानून व्यवस्था, बढ़ते अपराध, महिला उत्पीड़न के विरोध में प्रदर्शन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर के तत्वाधान में प्रदेश में ध्वस्तु एवं बिगड़ती कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध, महिला उत्पीड़न के विरोध में मंडल स्तरीय विरोध प्रदर्शन सरसैया घाट चौराहा, सिविल लाइन कानपुर से शुरू होकर कानपुर मंडल आयुक्त कार्यालय पर किया गया मंडला आयुक्त को 6 पृष्ठ का महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन दिया गया ।प्रदर्शन में सभी कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारे नारी शक्ति करें चीत्कार, बंद करो यह अत्याचारयूपी सरकार का हाल, कानून व्यवस्था है बदहालअपराधियों का सरकारी संरक्षण,बंद करो बंद करो बहुत हुआ नारी पर अत्याचार, बदलो बदलो यह सरकार आदि नारे लगाते हुए चल रहे थे ।प्रदर्शन का नेतृत्व उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी से प्रभारी बनाए गए पूर्व कानपुर लोकसभा प्रत्याशी प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल राय प्रदेश महासचिव प्रकाश प्रधान प्रदेश सचिव संत राम नीलांचल ने किया प्रदर्शन में मंडल के अंतर्गत आने वाले विभिन्न जिलों के अध्यक्ष एवं प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुए प्रदर्शन करते हुए आलोक मिश्रा राहुल राय, प्रकाश प्रधान, मदन मोहन शुक्ला ,संत राम नीलांचल, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी आदि ने संबोधित करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश में कानून राज्य की जगह जंगल राज स्थापित हो गया है ।प्रदेश सरकार के मुखिया की मानसिकता ही तानाशाही की है जो कानून की व्यवस्था दुरुस्त नहीं रखना चाहते हैं जिसकी वजह से प्रदेश में कानून का राज स्थापित नहीं हो पा रहा है प्रदर्शन व ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से नरेश कटियार, अमित पांडे,पवन गुप्ता, दिलीप शुक्ला, नरेश त्रिपाठी,ललित मोहन श्रीवास्तव,दिनेश पालीवाल शकुंतला गौतम मलखान सिंह अविनाश चंद दुबे, लल्लन अवस्थी डीपी राठौर रोहित कटियार अनिल कटियार,प्रमोद शाक्य,हरीश गुप्ता राधेश्याम कश्यप शंकर दत्त मिश्रा राम गोपाल उत्तम राजेश गौतम संतोष गुप्ता विनय पांडे संजय दीक्षित पदम मोहन मिश्रा तुफैल अहमद, अजय त्रिपाठी बीके सिंह आतिफ रहमान खान गुफरान अहमद शकील मंसूरी पिंटू कुरील अब्दुल तारिक इस्लाम सिद्दीकी राखी सोनकर आसिफ इकबाल ,हिमांशु मिश्रा राधेश्याम कश्यप चंद्रमणि मिश्रा सहित सैकड़ो कांग्रेस जन शामिल रहे।

श्री सोटे वाले बाबा हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मना

◆वार्षिकोत्सव में धनुष भंग होते ही भगवान परशुराम का तप हुआ भंग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। किदवई नगर स्थित श्री सोटे वाले बाबा हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर मंदिर के प्रधान बाबा पं नितिन शुक्ला ने बताया कि विगत कई वर्षों से मन्दिर प्रांगण परिसर में वार्षिकोत्सव समारोह अत्यंत उल्लास उमंग से मनाया जाता है। छठे दिन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने विधिविधान से पूजन कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

प्रधान बाबा पं नितिन शुक्ला ने मुख्य अतिथि मनोज भदौरिया का स्वागत स्मृति चिन्ह एवं पटका पहनाकर प्रसाद भेंटकर किया। मुख्य अतिथि के द्वारा मंच पर रामलीला कर रहे सभी कलाकारों को भेंट स्वरूप दक्षिणा देकर सम्मानित किया गया। मंच पर मौजूद समस्त कलाकारों को पटका पहनाकर सम्मानित करते हुए जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन नित्य प्रति आयोजित होते रहना चाहिए। रामलीला देख रहे हजारों श्रद्धालुओ ने जय जय श्री राम के जोरदार नारे लगाते हुए श्री सोटे जी महाराज के दर्शन किए।

समिति के द्वारा पंकज तोमर को सम्मानित किया गया। इस दौरान काफी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

करौली धाम में विदेशी शिष्यों समेत हजारों भक्तों ने ली मंत्र दीक्षा

कानपुर। पूर्णिमा के महा अवसर पर पिपरगवां स्थित करौली शंकर महादेव धाम लव कुश आश्रम में हजारों की संख्या में दीक्षा लेने पहुंचे देश-विदेश के भक्तगण। इस अवसर पर सभी भक्तों ने करौली शंकर महादेव गुरु जी संग पंच महाभूति शुद्धि हवन किया। तदोपरांत सिद्धि कार्यक्रम के बाद हजारों भक्तों ने मंत्र की दीक्षा ली ? जिसमे विदेशी शिष्यों ने भी भाग लिया। मालूम हो कि विदेशी भक्तों की दीक्षा के साथ करौली शंकर महादेव परम पूज्य गुरुदेव को प्रमाणित शक्तिमान चुके तकरीबन दो दर्जन विदेशी भक्त गुरुजी वह गुरु माता के दर्शन को करौली धाम लवकुश आश्रम पहुंचे थे ।इन भक्तों ने पूर्व में मंत्र व तंत्र की शिक्षा व शिक्षा प्राप्त करने के बाद केवल मन की शांति हेतु भारत में करौली शंकर महादेव धाम लवकुश आश्रम आए थे। और अन्य विदेशो से आए भक्तगण पंच महा भूत शुद्धि एवं सिद्ध व मंत्र की दीक्षा में शामिल हुए गुरु दीक्षा के उपरांत सभी भक्तों ने गुरु उपदेश कार्यक्रम में भाग लिया। पूर्णिमा के अवसर पर करौली शंकर महादेव धाम में शंकर सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध चोपड़ा के नेतृत्व में सदस्यता कैंप लगाया गया।

राहुल गांधी द्वारा सिख धर्म के विरुद्ध दिए गए बयान के विरोध में पुतला दहन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा गुरुद्वारा कीर्तनगढ़ के बाहर, गुमटी नंबर 5 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। यह विरोध कार्यक्रम राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में सिख धर्म के खिलाफ दिए गए बयान के विरोध में आयोजित किया गया था ।कार्यक्रम की अध्यक्षता सिमरनजीत सिंह छत्री, सह-संयोजक भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने की ।इस अवसर पर प्रमुख रूप से सिख पंजाबी वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष अमरजीत सिंह पम्मी, गुरुद्वारा बाबा नामदेव के अध्यक्ष नीतू सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अजीत सिंह छाबड़ा, गुरुद्वारा सरसैय्या घर के मुख्य सेवादार रमींदर सिंह रिंकू, सिख वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष गुरविंदर सिंह विक्की, जिला मंत्री कमलदीप सिंह एवं गुमटी के कई सिख और पंजाबी व्यापारियों ने भी इस विरोध में भाग लिया ।सभी वक्ताओं ने एक स्वर में राहुल गांधी के बयान की कड़ी निंदा की और कहा कि सिख धर्म और इसकी महान परंपराओं का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सिखों ने राहुल के बयान के विरोध में गृह राज्य मंत्री से की भेंट

कानपुर। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान हरमीत सिंह कालका जगदीप सिंह कह लो मनजिंदर सिंह सिरसा के नेतृत्व में भारत के 15 प्रदेशों के सिख प्रतिनिधियों के साथ ग्रह राज्य मंत्री नित्यानंद से उनके ग्रह पर राहुल गांधी के विगत दिनों के बयानों से नाराज होकर सब कार्रवाई की मांग की सिख धर्म बच्चे बच्चे को उसका रोष है और विशेष रुप से भारत राज में हवाई अड्डे मेट्रो शिक्षा संस्था में सिख धर्म की गुरु की दी हुई कृपान कंगा पर कोई रोक नहीं है। उच्च न्यायालय ने भी यह फैसला लिया है. इसको संबंधित सभी विभागों में केंद्र सरकार द्वारा लागू कर देना चाहिए राहुल गांधी को देशद्रोह का मुकदमा चलाकर दिए के ब्यान के प्रति माफी भी मांगी चाहिएप्रति निधि मंडल में उत्तर प्रदेश लखनऊ से निर्मल सिंह झारखंड सिख समाज हरियाणा पंजाब बिहार मुजफ्फरनगर महाराष्ट्र बड़ी संख्या में सिख जातेबंदीने मुलाकात कानपुर से सुरजीत सिंह ओबराय नीतू सिंह विशेष रुप से प्रतिनिधि मंडल में थे।

इमरजेंसी वॉर्ड में चप्पल-जूता पहनकर जाने से रोका, तो मरीज के परिजन ने डॉक्टरों को जमकर पीटा, अस्पताल में मचा बवाल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पिछले काफी समय में कई वारदातें ऐसी सामने आयी है जिसमें मरीजों के परिवार ने अस्पताल में डॉक्टरों को दंबगई दिखाई है। कभी उन्हें पीटा है तो कभी गालियां दी है। अस्पताल में डॉक्टरों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। ताजा मामला गुजरात के भावनगर से आया है। भावनगर के एक निजी अस्पताल के डॉक्टर पर तीन लोगों ने कथित तौर पर हमला किया। झगड़ा बहुत ही मामूली बात पर शुरू हुआ जब इमरजेंसी रूम में जाने से पहले डॉक्टरों ने मरीज के परिजनों को जूते उतारने को कहा था। यह घटना 12 सितंबर को सीहोर शहर के श्रेया अस्पताल में हुई, घटना के तुरंत बाद पुलिस ने हमले में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

इमरजेंसी वार्ड में जूते पहनकर जानें से रोका तो डॉक्टरों की मरीज के परिवार वालों ने कर दी पीटाई

अस्पताल का एक वीडियो गलत कारणों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, इमरजेंसी वार्ड में जाने से पहले मरीज के परिजनों से चप्पल उतारने को कहने पर डॉक्टर की पिटाई की गई। बताया जा रहा है कि घटना शनिवार को उस समय हुई, जब आरोपी एक महिला का इलाज कराने अस्पताल पहुंचे थे। महिला के सिर में चोट लगी थी। डॉक्टर जयदीप सिंह गोहिल ने मरीज के परिजनों से इमरजेंसी वार्ड के बाहर चप्पल उतारने को कहा। इस पर परिजन भड़क गए और डॉक्टर की पिटाई शुरू कर दी। घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी में दिख रहा है कि मारपीट के दौरान मरीज और मौजूद नर्स ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन मारपीट बढ़ती गई। मारपीट के दौरान कमरे में रखी दवाइयां और अन्य उपकरण भी क्षतिग्रस्त हो गए ।पुलिस ने मारपीट में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हिरेन डांगर, भवदीप डांगर और कौशिक कुवाडिया के रूप में पहचाने गए संदिग्धों को धारा 115(2) (नुकसान पहुँचाने का इरादा), 352 (शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान करना), 351(3) (आपराधिक धमकी) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गिरफ़्तार किया गया ।कोलकाता में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच डॉक्टर पर हमला हुआ, जहाँ डॉक्टर अपनी सुरक्षा और संरक्षण के लिए कड़े कानूनों की माँग करते हुए सड़कों पर उतर आए हैं। अगस्त में आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ।

प्रदर्शनी में दिखी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं उपलब्धियों की झांकी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मदिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चल रहे सेवा पखवाड़ा के तहत भाजपा दक्षिण जिला इकाई की ओर से नमो प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं उपलब्धियां की झांकी देखने को मिली ।भाजपा दक्षिण जिला इकाई की ओर से न्यू आजाद नगर,सतबरी रोड स्थित राधिका विद्या मंदिर इंटर कालेज में आयोजित नमो प्रदर्शनी का शुभारंभ सांसद रमेश अवस्थी, भाजपा कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया ।प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन की पूरी कहानी को चित्रों और तथ्यों के साथ बताया गया ।मोहसाना स्टेशन पर सैनिकों को चाय पिलाते बाल दामोदर से लेकर सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 व 35 ए समाप्त कर भारत को वैश्विक मंच पर ताकतवर देश के रूप में पेश करने वाले प्रधानमंत्री को यहां देखा जा सकता है। प्रदर्शनी के माध्यम से प्रधानमंत्री के कार्यकाल की चुनौतियों ,निर्णय, उपलब्धियों, तप ,त्याग और धार्मिक अनुष्ठान,गुजरात माडल,सेवा व समर्पण, स्टार्टअप इंडिया,राममंदिर, स्वच्छ भारत अभियान, एक राष्ट्र, एक ग्रिड, एक बाजार, एक राशन कार्ड, एक सविधान को चित्रों के माध्यम से देखा जा सकता है। सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि देश के सच्चे सपूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में लगाई गई प्रदर्शनी में उनके जीवन की पूरी कहानी बयां की गई है। पीएम मोदी के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं उपलब्धियों की जानकारी जन जन तक पहुंचाने के लिए प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। ताकि लोगों को अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में पूरी जानकारी हो सके। कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि समाज में अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान और सेवा भाव से प्रेरित होकर पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा चलाया जा रहा है। प्रमुख रूप से राम बहादुर यादव, सुनील नारंग, जसविंदर सिंह, मनीष त्रिपाठी, संजय कटियार, शिवपूजन सविता,बी एल पांडेय, शिवम मिश्रा, विक्की मुरझानी सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विकास कार्यों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष ने की बैठक

कानपुर। कानपुर के विकास को लेकर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महान के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में गोविंद नगर विधानसभा के विधायक सुरेंद्र मैथानी ने सराय मीता गाँव में जहरीले पेयजल से राहत देने के अपने उठाए गए मुद्दे पर जवाब मांगा । विधायक ने कहा कि सरायमीता गांव में अमोनिया युक्त आईआईटी कानपुर की रिपोर्ट के अनुसार अमोनिया युक्त पेयजल एवं भूगर्भ जल भी जहरीला प्रदूषित होने के कारण वहां की जनता में विषैला पानी पीने की मजबूरी के कारण से गंभीर बीमारियां उत्पन्न हो रही है।

जिनमें कैंसर, किडनी तथा लीवर जैसी गंभीर बीमारियों से बच्चे भी ग्रसित हो रहे हैं ।इसलिए वहां पर टंकी से पानी की पाइपलाइन को जोड़कर पेयजल सप्लाई के द्वारा, लोगों को पेयजल दिया जाए।

विधायक ने कहा कि यह विषय उन्होंने उत्तर प्रदेश के सदन में याचिका लगा करके और फिर माननीय मुख्यमंत्री के भी संज्ञान में कानपुर में हुई पिछली समीक्षा बैठक में दिया था ।बैठक में जल निगम के एक्शचियन शमीम अख्तर ने बताया कि मुख्यमंत्री के बैठक में यह जो उक्त विषय आपने उठाया था,वह मुख्यमंत्री के निर्देश पर उस पर मैंने अनुमति ले ली है और उक्त वार्ड 53 सराय मीता में दूषित जल की समस्या के समाधान हेतु,जलकल विभाग नगर निगम कानपुर द्वारा क्षेत्र में जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराए जाने हेतु 15 में वित्त आयोग के अंतर्गत विभिन्न साइज की पाइप लाइन डालने का कार्य प्रस्तावित कर दिया है ।जिसकी स्वीकृति भी मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्राप्त हो गई है। तथा कार्यदेश भी निर्गत किया गया है साथ ही एक नग डीप बोर नलकूप अधिष्ठापन का कार्य भी 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत प्रस्तावित कर दिया है नलकूप अधिष्ठान हेतु कार्य संस्था उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा निविदा की कार्रवाई की जा रही है।

महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। महिला महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग एवं इंडियन कौंसिल ऑफ़ वर्ल्ड अफेयर्स द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया प्रशांत त्रिपाठी की अध्यक्षता में किया गया विशिष्ट वक्ता डॉ पुष्कर पांडे एवं डा एस के चतुर्वेदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत और आसियान के मध्य विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ रहा है तथा आसियान युवा शोधकर्ताओं को भारतीय शोध संस्थानों में कार्य के अवसर प्रदान किया जा रहे हैं। तृतीय सत्र का सफल संचालन डॉ रश्मि सिंह के द्वारा किया गया ।प्राचार्य एवं निर्देशिका प्रोफेसर अंजू चौधरी के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण पर दीप प्रज्वलन से किया गया। मुख्य अतिथि मुरलीधर राम गुप्ता विशिष्ट वक्ता प्रोफ़ेसर दीपक कुमार विषय समापन उद्बोधन प्रोफेसर आशीष सक्सेना और अभय राज सिंह ने इस सेमीनार को महाविद्यालय की विशेष उपलब्धि बताते हुए चयनित विषय को शोध की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया ।विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आर के द्विवेदी ने सेमिनार के सफल आयोजन पर बधाई दी। इस दौरान मुख्य रूप से डॉ प्रीति द्विवेदी डॉ रश्मि सिंह डॉ सबा यूनुस डॉ ममता मिश्रा डॉ निशी सिंह डॉ वंदनी शर्मा डॉ इंदु मिश्रा डॉ अंजू श्रीवास्तव डॉ मधु गुप्ता मौजूद रही।

सीसामऊ विधानसभा उपचुनाव में महिला सभा अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी

कानपुर। समाजवादी पार्टी छावनी विधानसभा क्षेत्र व समाजवादी पार्टी महिला सभा के पदाधिकारी सदस्यों पीड़ीए मिशन युवा टीम के कार्यकर्ताओं वार्ड अध्यक्ष एवं प्रमुख नेताओं की मासिक बैठक सपा कार्यालय नवीन मार्केट में छावनी विधानसभा अध्यक्ष मुमताज मंसूरी व महिला सभा की अध्यक्ष सुलेखा यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे मासिक बैठक का संचालन महानगर की वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू ने किया ।बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में कहा कि सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव में महिला सभा अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी महिला सभा की पदाधिकारी सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र में वार्ड स्तर व बूथ स्तर पर महिलाओं की टोलियां घर-घर जाकर महिलाओं से संपर्क करके सपा शासन काल व विधायक हाजी इरफान सोलंकी द्वारा कराए गए विकास कार्यों व सपा सरकार की उपलब्धियां से महिलाओं को अवगत कराकर सपा की अधिकृत प्रत्याशी को ज्यादा से ज्यादा मतों से जीत दिलवाकर सीसामऊ विधानसभा में सपा का परचम फहराएगी महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने अपने संबोधन में आगे कहा कि सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र हिंदू मुस्लिम एकता की मिशाल है तभी तो हाजी इरफान सोलंकी हमेशा हिंदू बाहुल्य क्षेत्र से भारी मतों से जीत दर्ज करके चार बार के विधायक बने ।

जल भराव समस्या पर फूटा गुस्सा,गंदे पानी में बैठकर किया प्रदर्शन

कानपुर। आम आदमी पार्टी, कानपुर नगर विधिक प्रकोष्ठ, आम आदमी पार्टी तत्वाधान में समस्या आम आदमी की समस्या के संदर्भ में दिन रविवार, को समय सुबह 11 बजे से 12 बजे तक,जे0के0 मन्दिर से लगी बस्ती राजा का पुरवा, जहाँ के निवासी हजारों परिवार वर्तमान समय बिमारी के दौर में गन्दगी, टूटी रोड और जल भराव का सामना कर रहे हैं समस्या के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन और सांकेतिक धरना देकर शासन व प्रशासन के अधिकारीयों तक उक्त आम आदमी की समस्या को अवगत कराने का कार्य किया गया।

आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अनुज शुक्ला ने तत्काल क्षेत्र विधायक से बात करके क्षेत्र में हो रही समस्याओं को अवगत कराया सांकेतिक विरोध प्रदर्शन को सफल बनाने में आम आदमी पार्टी के नगर प्रभारी आशुतोष सेंगर , नगर अध्यक्ष अनुज शुक्ला नगर महासचिव मुशीर सिद्दीकी के मार्गदर्शन में विधिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एड0 सुधीर कुमार शर्मा, एड0, नरेश अग्रवाल अबू तालिब, अश्वनी कुमार, चकित, सरीता द्ववेदी, देवेश शुक्ला, फहीम मलिक एवं मौजूद स्थानीय लोगो के साथ-साथ विधिक प्रकोष्ठ, आम आदमी पार्टी के कानपुर नगर के सदस्यगण आदि रहे!

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।